दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 01

ग्वालियर, सोमवार 26 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

पेन्सिलवेनिया के केनीवुड मनोरंजन पार्क में फायरिंग, 5 लोग घायल

पेन्सिलवेनिया। पेन्सिलवेनिया के केनीवुड मनोरंजन पार्क में हैलोवीन-थीम कार्यक्रम के दौरान फायरिंग में कम से कम पांच लोग घायल हो गए हैं। जिनमें से दो लोगों को गोलियां लगी हैं, जबकि अन्य लोग भगदड़ के दौरान घायल हुए हैं। इस घटना का कुछ ही ब्योरा मिल सका है। घटना रात करीब 11 बजे शुरू हुई। शनिवार को पुलिस अधिकारियों को पिट्सबर्ग के दक्षिण-पूर्व में वेस्ट मिफ्लिन के पार्क में एक शूटर होने की सूचना देकर बुलाया गया। शुरुआती खबरों के मुताबिक कम से कम 5 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो बंदूक की गोली के शिकार हुए। जबकि बाकी लोगों को दूसरी वजहों से चोटें आई है। माना जा रहा है कि घटनास्थल से भागते समय ये लोग घायल हुए होंगे। घायलों की हालत के बारे में तत्काल कुछ नहीं बताया गया है।

लेबनान नौका दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 94 हुई

तार्तुस। सीरिया के तट के पास इस सप्ताह प्रवासियों को ले जा रही नौका के डूबने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 94 हो गई है। सीरिया के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक बनयास शहर के पास शनिवार शाम को कई शव निकाले गए। इससे पहले, सीरिया के तार्तुस शहर में बासेल अस्पताल के प्रमुख ने बताया था कि अस्पताल में 20 लोगों का उपचार किया जा रहा है और 6 लोगों को छुट्टी दी जा चुकी है। लेबनान की सेना ने कहा कि इस यात्रा को आयोजित करने वाले व्यक्ति को सैनिकों ने हिरासत में ले लिया है। लेबनानी, सीरियाई और फलस्तीनी नौकरी और अमन-चैन की जिंदगी के लिए लेबनान के रास्ते यूरोप जाने का प्रयास करते हैं। ऐसी भी सूचना है कि नौका डूबने के समय इस पर कम से कम 120 लोग सवार थे। नौका के आकार और कितने लोग इस पर सवार हो सकते थे, इस बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

ललितपुर में मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्राली में अनियंत्रित ट्रक ने मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

ललितपुर। बुंदेलखंड के ललितपुर में रविवार की सुबह कुछ परिवारों के लिए काल बनकर आई। यहां पर एक सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, घायलों में 8 लोगों की हालत गंभीर हैं। ललितपुर में रविवार को तालबेहट के बम्होरी हाइवे पर सुबह ट्रक और ट्रैक्टर की सीधी टक्कर में ट्रैक्टर ट्राली में बैठे 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में 12-13 घायलों में 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जाती है। इनको झांसी मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया है। ट्रैक्टर ट्राली पर श्रमिक सवार थे, यह सभी काम पर जा रहे थे। सभी श्रमिकों तालबेहट के बम्होरीसर के निवासी बताए जा रहे हैं। ट्रैक्टर ट्राली से मजदूर बम्हौरीसर से तालबेहट जा रहे थे। ट्रैक्टर के यहां के तालबेहट कोतवाली क्षेत्र में ही बम्हौरीसर से निकलकर हाईव पर पहुंचते ही यह बड़ा हादसा हो गया। तालबेहट की तरफ से सामने से आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर सीधे ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ गया। ट्रक की जोरदार टक्कर से ट्राली ट्रैक्टर से अलग होकर नीचे खाई में जाकर पलट गई। ट्राली में चार महिलाओं समेत बीस से ज्यादा मजदूर बैठे थे। इस हादसे में छह की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल कई मजदूरों को अस्पताल भेजा गया है, इनमें से कई की हालत गंभीर है। हादसे में मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। ललितपुर में झांसी-ललितपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बम्होरीसर के पास सुबह इस बड़ी दुर्घटना के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों का आवागमन रुक गया और सड़क पर लंबा जाम लग गया। हादसे की खबर पाकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे इसके बाद काफी मशक्कत के बाद सड़क पर आवागमन सुचारु किया जा सका।

आंध्र प्रदेश में दुखद हादसा क्लिनिक में आग लगने से डॉक्टर उसके बेटे और बेटी की मौत

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तिरुपति के निकट भगत सिंह नगर में तीन मंजिले इमारत में रविवार को तड़के भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से एक डॉक्टर और उसके बेटे व बेटी की मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि इमारत की पहली मंजिल में करीब साढ़े चार बजे आग लगी। इमारत के भूतल पर डॉक्टर का एक क्लिनिक भी है। तीनों मृतकों की पहचान हो गई है। इस घटना में डॉ रविशंकर रेड्डी और उनके बेटे सिद्धू (12) व बेटी कार्तिका (6) की जान गई है। तीनों को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर भी किया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। आग की चपेट में आने से तीनों ही काफी हद तक जल गए थे। ऐसे में उन्हें बचाया नहीं जा सका। मौके पर पहुंचे दमकल ने डॉक्टर की पत्नी डॉक्टर अनंत लक्ष्मी और मां रामासुब्बम्मा को बचाया।

शहीद भगत सिंह के नाम पर होगा चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नामकरण : मोदी

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश में चीतों की वापसी और स्वच्छता का भी जिक्र किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महीने के अंतिम रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में 17 सितंबर को उनके जन्मदिन पर चीतों की वापसी से लेकर कई अहम मुद्दों पर बात की। पीएम मोदी ने चर्चा में चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर करने का भी ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि 25 सितंबर को देश के प्रखर मानवतावादी, चिंतक और महान सपूत दीनदयाल उपाध्याय का जन्मदिन मनाया जाता है। किसी भी देश के युवा जैसे-जैसे अपनी पहचान और गौरव पर गर्व करते हैं, उन्हें मौलिक विचार और दर्शन उतने ही आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की सबसे बड़ी खूबी यही रही है कि उन्होंने अपने जीवन में विश्व के बड़े उथल-पुथल को देखा था। वह विचारधाराओं के संघर्षों के साक्षी बने थे। इस मौके पर उन्होंने इंडियन साइन लैंग्वेज रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर का भी उल्लेख किया, जिसकी स्थापना वर्ष 2015 में की गई थी। साथ ही पीएम ने हाल में में नामीबिया से लाए गए चीतों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए चीतों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि चीतों पर बात करने के लिए उन्हें ढेर सारे संदेश मिले। पीएम ने कहा कि भारत में चीतों की वापसी पर देश के कोने-कोने से लोगों ने खुशी जताई है। 130 करोड़ भारतवासी खुश हैं और गर्व से भरे हैं। यह है भारत का प्रकृति प्रेम। पीएम मोदी ने कहा, 'लोगों का एक कॉमन सवाल यही है कि मोदी जी हमें चीतों को देखने का अवसर कब मिलेगा मैं आप सबको कुछ काम सौंप रहा हूंज इसके लिए माईगॉव के प्लेटफॉर्म पर एक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें लोगों से मैं कुछ चीजें साझा करने का आग्रह करता हूं। चीतों को लेकर हम जो अभियान चला रहे हैं, उस अभियान का नाम क्या होना चाहिए क्या हम इन सभी चीतों के नामकरण के बारे में सोच सकते हैं इनमें से हर किसी को किस नाम से बुलाया जाए इनके नाम यदि पारंपरिक हों तो अच्छा रहेगा। जानवरों के साथ इंसानों को कैसा व्यवहार करना चाहिए।' आखिर में उन्होंने कहा कि क्या पता प्रतियोगिता जीतने के इनाम के तौर पर चीता देखने का मौका आपको ही मिल जाए! प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने बताया कि अमृत महोत्सव के दौरान 28 सितंबर को एक विशेष दिन आ रहा है।

सिर्फ 2 शब्द कहूंगा और 4 गुना बढ़ जाएगा जोश : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम %मन की बात% के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा आप जानते हैं क्या! मैं सिर्फ दो शब्द कहूंगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़ जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश! हमारे देश में अमृत महोत्सव का जो अभियान चल रहा है, उन्हें हम पूरे मनोयोग से सेलिब्रेट करें, अपनी खुशियों को सबके साथ साझा करें।% मोदी ने कहा कि से तीन दिन बाद 28 सितंबर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन भारत मां के वीर सपूत भगत सिंह जी की जयंती है। भगत सिंह जी की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप अहम फैसला किया गया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह जी के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। मैं चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और देश के सभी लोगों को इस निर्णय की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने स्वतंत्रता सेनानियों से प्रेरणा लेकर, उनके आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत बनाना है और यही उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होती है। शहीदों के स्मारक, उनके नाम पर स्थानों और संस्थानों के नाम हमें कर्तव्य के लिए प्रेरणा देते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही देश ने कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति की स्थापना के जरिए भी ऐसा ही प्रयास किया है और अब शहीद भगत सिंह के नाम से चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम इस दिशा में एक और कदम है। पीएम मोदी ने कहा, %मैं चाहूंगा कि अमृत महोत्सव में हम जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े विशेष अवसरों पर सेलिब्रेट कर रहे हैं, उसी तरह 28 सितंबर को भी हर युवा कुछ नया प्रयास अवश्य करे।% उन्होंने कहा कि 29 सितंबर से गुजरात में नेशनल गेम्स का आयोजन हो रहा है। यह एक खास मौका है, क्योंकि यह कई साल बाद हो रहा है। कोविड महामारी की वजह से इसे रद्द करना पड़ा था। इसमें हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बहुत शुभकामनाएं।

हिंगलाज माता के मंदिर में नवरात्र में पूजा पर रोक को लेकर बढ़ा विवाद

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर स्थित हिंगलाज माता के मंदिर में नवरात्र के दौरान पूजा पर लगाई गई रोक को लेकर विवाद बढ़ गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारक और भाजपा नेता तरुण विजय ने इस मामले में राजस्थान की गहलोत सरकार पर बड़ा हमला बोला है। तरुण विजय ने कहा जो काम पाकिस्तान की सरकार नहीं कर सकी, वह राजस्थान की गहलोत सरकार ने कर दिया। गौरतलब है कि पाकिस्तान सीमा पर स्थित राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित इस मंदिर में जो ज्योति प्रज्वलित है, वह वही ज्योति है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित हिंगलाज शक्तिपीठ में प्रज्जवलित है। इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त इसे विशेष रूप से पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित हिंगलाज शक्तिपीठ से बाड़मेर लाया गया था। नवरात्र के दौरान माता के मंदिर में धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है, लेकिन राजस्थान के बाड़मेर जिले में पुलिस ने नवरात्र के दौरान इस मंदिर में किसी भी प्रकार के धार्मिक आयोजन पर रोक लगाते हुए मंदिर कमेटी के अध्यक्ष को पाबंद किया है।

ईरान में महिलाओं ने सुप्रीम लीडर खामनेई के पोस्टर पर पोती कालिख, हिजाब को आग में झौंका, बाल कटाए

तेहरान। ईरान में हिजाब कानून को लेकर प्रदर्शनों की आग 80 से अधिक शहरों में फैल चुकी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में अब तक 36 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ईरान की महिलाएं सड़कों पर उतर चुकी हैं और सख्त धार्मिक बंदिशों का विरोध कर रहीं हैं। हिजाब के खिलाफ ईरान में छिड़ी मुहिम ने अब हिंसक रूप ले लिया है। एक मुस्लिम मुल्क में एक कट्टरपंथी कानून के खिलाफ विरोध की मशाल जल रही है। ईरान सरकार की इस तानाशाही के खिलाफ ईरान में बड़ी संख्या में महिलाएं बिना हिजाब सड़कों पर प्रदर्शन कर रही हैं। तेहरान में महिलाओं के हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हिजाब को जला दिया और सिर के बाल काट डाले। सोशल मीडिया पर ईरान में प्रदर्शन कर रही महिलाओं के कुछ वीडियो सामने आए हैं। जिसमें सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामनेई के पोस्टर फाड़े जा रहे हैं और कहीं पर उनमें आग लगाई जा रही है। कोई पोस्टरों पर पत्थर मार रहा है तो कहीं कालिख पोती जा रही है। 22 साल की महसा अमिनी की मौत से ये महिलाएं गुस्से में हैं। महसा पश्चिमी ईरान में साकेज की रहने वाली थीं। वह परिवार से मिलने 13 सितंबर को तेहरान आई थीं।

मोदी सरकार ने सीमाओं को मजबूती प्रदान करने दी शीर्ष प्राथमिकता : अमित शाह

नई दिल्ली। देश की सीमाओं की सुरक्षित निगरानी को लेकर केंद्र सरकार काफी गंभीर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देश की सीमाओं को मजबूत करने को शीर्ष प्राथमिकता दी है और यही कारण है कि मौजूदा शासन के तहत इन इलाकों में बुनियादी ढांचा विकास पर खर्च बढ़ा है। नेपाल की सीमा से लगे बिहार के किशनगंज जिले में फतेहपुर चौकी पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने देश की अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहरेदारी कर रहे जवानों की कल्याण जरूरतों के प्रति केंद्र के संवेदनशील होने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, '2008 और 2014 के बीच, सालाना करीब 4,000 करोड़ रुपये सीमा पर बुनियादी ढांचे पर खर्च किये गये। बाद में, यह प्रतिवर्ष बढ़ कर 6,000 करोड़ रुपये हो गया।' शाह ने फतेहपुर, रानीगंज, आमगाछी, पेकाटोला और बेरिया चौकियों के भवनों का उद्घाटन करते हुए यह कहा। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तहत सीमावर्ती बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 44,600 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। शाह ने कहा, 'इसके चलते सीमावर्ती सड़कों की कुल लंबाई 3। 5 गुना बढ़ गई।' उन्होंने कहा, सीमा पर तैनात हमारे कर्मी राष्ट्रीय आपदा के समय और कानून व्यवस्था से जुड़ी स्थितियों में भी योगदान देते हैं। सरकार ने इसे महसूस किया है और उन्हें तथा उनके परिवार को बेहतर सुविधाएं मुहैया करने पर काम रही है। उन्होंने कहा कि सरसरी तौर पर देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि नेपाल और भूटान जैसे मित्र देशों के साथ लगी सीमा की पहरेदारी करने के कारण एसएसबी का काम आसान है।

शाह ने कहा, 'लेकिन हम जानते हैं कि आपके समक्ष आने वाली चुनौतियां कम नहीं हैं क्योंकि बाड़ रहित इलाकों में गश्त करना कठिन है। स्थानीय लोगों में आपकी छवि और सद्भावना एक अहम भूमिका निभाती है।' उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि एसएसबी जवानों ने उत्साह के साथ हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया और नागरिकों को 10 लाख तिरंगा वितरित किया गया।

तूफान टायफून तलस का जापान में कहर, 2 की मौत, एक लाख घरों की बिजली गुल

टोक?यो। जापान इन दिनों तूफान टायफून तलस के कहर से जूझ रहा है। शनिवार को उस समय दो लोगों की मौत हो गई जब यहां पर तूफान तलस ने दस्तक दी। इस तूफान की वजह से दो लोगों की मौत हो गई है। साथ ही हजारों घरों की बिजली भी गुल हो गई है। तूफान ने शनिवार रात जापान के शिजुकोवा प्रीफेक्चर में भारी बारिश के साथ दस्तक दी। पिछले ही हफ्ते यहां पर तूफान ननमाडोल आया था जिसने कई क्षेत्रों में जमकर तबाही मचाई थी। काकेग्वा में तूफान की वजह से हुए भूस्खलन में 40 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। जबकि कार के डूबने से 29 साल के एक युवक की मौत हो गई थी।

शिजुका में एक और भूस्खलन में तीन लोग जिसमें एक नौ साल का बच्चा भी शामिल है, वो घायल हो गए हैं। तूफान के बाद कई घरों की बिजली भी चली गई है। जापान के शुबू इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड का कहना है कि 120,000 घरों की बिजली काटनी पड़ी है। भूस्खलन की वजह से दो खंबे दब गए जिनकी वजह से बिजली सप्लाई रोकनी पड़ी। यह जापान में इस सीजन का 15वां तूफान है। जापान के मौसम विभाग की तरफ से बताया गया है कि तूफान की वजह से देश में 90 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं चल रही हैं। शिजुका शहर में इसकी वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यहां पर 417 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। गुरुवार से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने ऊंची समुद्री लाहरों, भूस्खलन और बाढ़ की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी, मध्य और उत्तरी जापान जिसमें टोक्यो भी शामिल है, वहां हालात बेकाबू हो सकते हैं। तूफान ननमाडोल की वजह से देश में चार लोगों की मौत हुई थी और 151 घायल हो गए थे। जापान में इस समय तूफान का मौसम चल रहा है। हर साल देश में करीब 20 तूफान आते हैं। इनकी वजह से भारी बारिश की वजह से भूस्खलन और बाढ़ एक आम बात हो गई है। साल 2019 में टायफून हगीबिस ने जापान में दस्तक दी थी।

कुपवाड़ा में मुठभेड़- सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया

एके-47 समेत भारी मात्रा में गोला बारूद जब्त किया

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां के माछिल इलाके में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सेना के जवानों ने दो आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया है। मारे इन आतंकियों से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया गया है। एनकाउंटर में मारे गए दहशतगर्दों की शिनाख्त की जा रही है। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि कुपवाड़ा के माछिल इलाके में एलओसी टेकरी नार के पास सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है। मारे गए आतंकियों की शिनाख्त की जा रही है। इन आतंकियो के पास से 2 एके 47 राइफल, 2 पिस्टल और 4 हथगोले बरामद सहित भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। बता दें कि, इससे पहले दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में शनिवार शाम अज्ञात आतंकवादियों ने दो गैर-स्थानीय मजदूरों को गोली मार दी जिससे वे घायल हो गये थे। जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बतायी गयी है। घायलों की पहचान बिहार निवासी शमशाद और फैजान कासरी के रूप में की गयी थी। पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया था।

अंकिता भंडारी हत्याकांड- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह %चोट और डूबना, पुलिस को मिला प्रमाण

ऋषिकेश। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर पूरा राज्य उबल रहा है। अंकिता का शव 24 सितंबर को चीला शक्ति नहर से बरामद होने के बाद, पोस्टमार्टम के लिए उसे ऋषिकेश एम्स भेजा गया था। पीएम रिपोर्ट ड्राफ्ट के मुताबिक अंकिता की मौत ब्लंट फोर्स ट्रामा (सिर में गंभीर चोट) और डूबने की वजह से हुई। वह एक पूर्व सुरक्षा गार्ड और एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की बेटी थी। उसने 12वीं पास कर ली थी और कॉलेज जाने की इच्छुक थी। लेकिन जब उसके पिता ने गार्ड की नौकरी छोड़ दी, तो उसने पिछले महीने के अंत में एक रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने का फैसला किया। अंकिता अपनी पहली सैलरी भी नहीं ले पाई थी। गत 18 सितंबर को रिजॉर्ट के संचालक और 2 मैनेजरों ने नहर में धक्का देकर उसकी हत्या कर दी। उत्तराखंड के लक्ष्मण झूला इलाके में रिजॉर्ट से लापता होने के छह दिन बाद शनिवार को पुलिस ने अंकिता का शव नहर से बरामद किया। पुलिस ने 23 सितंबर को रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य को गिरफ्तार किया, जो राज्य के पूर्व मंत्री विनोद आर्य का बेटा है। रिजॉर्ट मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक इन तीनों ने पूछताछ में कथित तौर पर एक विवाद के बाद अंकिता को नहर में धकेलने की बात कबूल की है।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि पुलिस को अब ऐसे सबूत मिले हैं, जो बताते हैं कि आरोपी कथित तौर पर रिजॉर्ट में कुछ मेहमानों को 'विशेष सेवाएं' प्रदान करने के लिए अंकिता पर दबाव डाल रहे थे और जब उसने विरोध किया तो उसे मार दिया गया। अकिता के परिवार के सदस्यों के अनुसार, वह 28 अगस्त को अपने गांव दोभ श्रीकोट से करीब 130 किलोमीटर दूर ऋषिकेश स्थित वनतारा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने पहुंची थी। अंकिता की बड़ी मां लीलावती ने मीडिया को बताया, अपने परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण, उसे पौड़ी के भगत राम स्कूल से इंटरमीडिएट करने के बाद अपनी शिक्षा छोड़नी पड़ी और काम करना शुरू कर दिया। अंकिता के पिता वीरेंद्र भंडारी चौरास बांध पर निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे, लेकिन कुछ साल पहले नौकरी छोड़ दी।

न्यूज़ ट्रैक....

मंजीत नार्थ चैनल पार करने वाले पहले पहले एशियाई पैरा खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । दिव्यांग तैराक मंजीत ने नार्थ चैनल पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हरियाण के झज्जर में रहने वाले इस खिलाड़ी ने अपनी टीम के साथ 14 घंटे 39 मिनट में ही 36 किलोमीटर लंबे नॉर्थ चैनल को पार कर सबको हैरान कर दिया। मंजीत की टीम में कुल 6 खिलाड़ियों में से 3 दिव्यांग हैं। इस प्रकार मंजीत नार्थ चैनल पार करने पहले भारतीय और एशियाई पैरा खिलाड़ी बने हैं। उत्तरी आयरलैंड से स्काटलैंड के पोर्ट पैट्रिक तक आयोजित इस रिले रेस के लिए देश के 6 खिला?ियों का चयन हुआ था। इन खिलाड़ियों में हरियाणा के मंजीत कादियान, मध्यप्रदेश के सत्येंद्र लोहिया, पश्चिम बंगाल से रिमो साहा, नागपुर से जयंत कुमार और असम से एल्विश और तमिलनाडु के स्नेहन शामिल थे। इन खिलाड़ियों में मंजीत सहित कुल तीन दिव्यांग खिलाड़ी भी थे।

महिला टी20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और थाईलैंड सहित दस टीमें को मिला प्रवेश

अबू धाबी । बांग्लादेश और आयरलैंड ने अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इन दोनो ही टीमों ने अबू धाबी में खेले गए क्वालीफार में जिम्बाब्वे और थाईलैंड को हराकर विश्वकप के लिए जगह बनायी। इसी के साथ ही उन 10 टीमों के नाम अब तय हो गये हैं। जो अगले साल विश्वकप के इस आठवे संस्करण में शामिल होंगी। मौजूदा चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया और मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ ही भारत, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका और वेस्टइंडीज सहित कुल 8 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए रैंकिंग के आधार पर पहले ही प्रवेश हासिल कर लिया था जबकि आयरलैंड और बांग्लादेश ने अब अपनी जगह पक्की की है। साल 2020 में अंतिम बार टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इसके बाद कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल यह टूर्नामेंट नहीं हुआ था।

नडाल और फेडरर की तस्वीर शेयर कर विराट कोहली ने लिखा भावुक नोट

नई दिल्ली । महान खिलाड़ी रोजर फेडरर अब टेनिस कोर्ट में नहीं दिखने वाले हैं। आखिरी मुकाबले में 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन फेडरर डबल्स मुकाबले में राफेल नडाल के साथ जोड़ी बनाकर उतरे। अमेरिकी फ्रांसेस टियाफो और जैक सॉक की जोड़ी ने नडाल और फेडरर की जोड़ी को हराया। 41 साल के फेडरर मैच खत्म होने के बाद बेहद भावुक हुए। दर्शकों का अभिवादन करते हुए वहां रोते हुए दिखाई दिए। इस दौरान करीब दो दशक तक उन्हें टक्कर देने वाले नडाल भी अपने आंसू नहीं रोक सके। नडाल-फेडरर की भावुक तस्वीर को शेयर कर विराट कोहली ने एक खूबसूरत पोस्ट किया है। कोहली ने ट्विटर पर लिखा, किसने सोचा था कि प्रतिद्वंदी एक-दूसरे के लिए ऐसा महसूस कर सकते हैं। यही खेल की खूबसूरती है। यह मेरे लिए खेल की दुनिया से जुड़ी सबसे खूबसूरत तस्वीर है। जब आपके साथी आपके लिए आंसू बहाते हैं,तब आप जानते हैं कि ईश्वर ने जो आपको हुनर दिया है, उसके साथ आप कैसे बेहतर कर पाए। इन दोनों खिलाड़ियों के लिए सम्मान के अलावा कुछ नहीं। दरअसल ने फेडरर ने पिछले ही टेनिस से संन्यास का ऐलान किया था। फेडरर को पिछले साल विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में हार के बाद अपने दाहिने घुटने के तीन ऑपरेशन कराने पड़े थे।

आज निर्णायक मैंच में भारत की उम्मीदें प्रमुख गेंदबाज हर्षल पटेल और चहल पर होगी

हैदराबाद । भारतीय टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जब तीसरा और निर्णायक टी20 मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी तब उसकी निगाह अपने दो प्रमुख गेंदबाजों हर्षल पटेल और युजवेंद्र चहल की फॉर्म पर टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में दूसरे मैच में छह विकेट से जीत दर्ज करके सीरीज बराबर कर ली हैं, लेकिन उसके लिए अपने गेंदबाजों विशेषकर हर्षल और चहल की फॉर्म चिंता का विषय है। भारत के लिहाजा से जसप्रीत बुमराह की वापसी अच्छी खबर है, लेकिन वरिष्ठ तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की खराब फॉर्म चिंता का विषय है। भुवनेश्वर एशिया कप और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में भी नहीं चल सके थे। उन्हें दूसरे मैच से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा मैदान गीला होने के कारण 8 ओवर का कर दिए गए, मैच में केवल चार गेंदबाजों के साथ उतरना चाहते थे।

डेथ ओवरों के विशेषज्ञ हर्षल ने चोट से उबरने के बाद वापसी की है, लेकिन वह आत्मविश्वास से भरे हुए नहीं दिखाई दिए। उन्हें लय हासिल करने के लिए एक दो मैच और खेलना होगा। अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के लिए मशहूर तेज गेंदबाज ने वर्तमान सीरीज में छह ओवरों में 81 रन लुटाए हैं, और वह सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए हैं। हर्षल को लेंथ हासिल करने में दिक्कत आ रही है और उन्हें अभी तक एक भी विकेट नहीं मिला है। भारत बीच के ओवरों में स्पिनरों के भरोसे है, जहां अक्षर पटेल का अच्छा प्रदर्शन उसके लिए अच्छी खबर है। वहीं, चहल की खराब फॉर्म चिंता का विषय। इस लेग स्पिनर ने एशिया कप में काफी रन लुटाए थे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी इसमें बदलाव नहीं आया है। बल्लेबाजी में भारतीय शीर्ष क्रम में शामिल रोहित, केएल राहुल और विराट कोहली को अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया भी भारत की तरह अपने गेंदबाजों को लेकर चिंतित है। पहले मैच में उसने बल्लेबाजों के दम पर जीत दर्ज की जबकि दूसरे मैच में भी कप्तान एरॉन फिंच और मैथ्यू वेड ने उस अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था लेकिन गेंदबाज उसका बचाव करने में नाकाम रहे। चोटिल नाथन एलिस की अनुपस्थिति में पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और डेनियल सैम्स ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन भी महंगे साबित हुए हैं। वर्ल्ड कप से पहले वेट की बेहतरीन फॉर्म ऑस्ट्रेलिया के लिए सकारात्मक पहलू है लेकिन टीम प्रबंधन ऑल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल से भी बड़ी पारी का उम्मीद कर रहा होगा जिन्होंने दो मैचों में केवल एक रन बनाया है।

टीम इस प्रकार हैं-

ऑस्ट्रेलिया: एरॉन फिंच (कप्तान), सीन एबॉट, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, एडम जंपा।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने झूलन को जीत के साथ विदाई दी

लंदन । भारतीय महिला महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान इंग्लैंड टीम को हराकर अपनी अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदायी दी है। झूलन ने इस मैच के साथ ही खेल को अलविदा कह दिया। झूलन ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस मैच के बाद संन्यास ले लेंगी। इस तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा के अर्धशतक की सहायता से 169 रन बनाये। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड को जीत के लिए 170 रन का लक्ष्य दिया था। इसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 153 रनों पर ही सिमट गयी। अपने अंतिम मैच में झूलन ने 30 रन देकर दो विकेट जबकि रेणुका सिंह ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से 68 रन बनाए । इस पहले बल्लेबाजी के दौरान भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मेजबान टीम की गेंदबाज केट क्रॉस ने शुरुआती 4 विकेट लेकर भारत को करारा झटका दिया। केट ने शैफाली वर्मा को और यास्तिका भाटिया को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर को 4 और हरलीन देओल को रनों पर ही आउट कर दिया। इसबीच अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना क्रीज पर जमी रही और उसने अर्धशतक लगाकर टीम को संभाला।

मध्यक्रम बल्लेबाज दीप्ति शर्मा ने इसके बाद टीम को संभाला। दीप्ति ने 106 गेंदों में सात चौकों की मदद से नाबाद 68 रन बनाए। दीप्ति के अलावा पूजा वस्त्राकार ने 38 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने करते हुए मेजबान टीम की शुरुआत सामान्य रही। सलामी बल्लेबाज टेली 8 जबकि इमा लेम्ब 21 रन बनाकर आउट हुई। इन दोनो के पेवेलियन लौटने के बाद मध्य क्रम ढ़ह गया। सोफिया 7, एलिसा 5 और डेनियल व्हाइट 8 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। एमी जोंस ने 28 रन बनाये जबकि सोफिया इस्सेलस्टोन खाता भी नहीं खेल पायीं। गई। चार्लोट डीन ने 47 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने का प्रयास किया पर दीप्ति शर्मा के एक शानदार थ्रो पर वह रन आउट हो गयीं।

दीप्ति के चार्ली को रन आउट करने के तरीके पर हुआ विवाद

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम टीम की दीप्ति शर्मा ने जिस प्रकार स्ट्राइकर एंड पर गेंद फेंककर मेजबान टीम की चार्ली डीन को आउट किया उससे मैदान में विवाद भी हुआ। आउट करार दिये जाते ही चार्ली ने गुस्से में अपना बल्ला फेंक दिया और रोने लगी। चार्ली जब आउट हुई तो वह 47 रनों पर खेल रहीं थीं। दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं मिली हैं। कुछ लोगों ने इसे खेल भावना के विपरीत बताया है जबकि कुछ ने सही करार दिया है। पहले इस तरह के रन आउट को ठीक नहीं माना जाता था पर मार्च में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने इसे अनफेयर कैटेगेरी से निकालकर रन आउट में डाल दिया और हाल के दिनों में आइसीसी ने भी इसे सही करार देकर है। यह नियम यह 1 अक्टूबर से लागू भी कर दिया जाएगा। इसलिए दीप्ति के इस रन आउट करने के तरीके का पूर्व भारतीय क्रिकेटरों आकाश चोपड़ा और वसीम जाफर ने भी बचाव किया है। चार्ली के आउट होते हुए भारतीय टीम ने यह मैच जीतने के साथ ही सीरीज भी अपने नाम कर ली। इस विवाद से भारतीय टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के विदायी मैच में भी अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। झूलन ने अपने इस विदायी मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर दो विकेट लिए। इस के साथ ही उनके कुल एकदिवसीय विकेटों की संख्या 255 तक पहुंच गयी।

यूईएफए नेशंस फुटबॉल लीग - ग्रुप सी के एक मैच जो कि जर्मनी बनाम हंगरी के बीच खेला गया था उस मैच में हंगरी के एडम सज़ालाई और टीम के साथी मैच के बाद जश्न मनाते हुए।

व्यापार न्यूज

कच्चे तेल में गिरावट के बाद भी पेट्रोल और डीजल की कीमत नहीं हुई कम

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी बनी हुई है। क्रूड ऑयल लंबे समय से 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे है। इसके बाद भी भारतीय ऑयल कंपनियों ने रविवार 25 सितंबर को भी पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कुछ दिन पहले ही जानकारी दी थी कि तेल कंपनियां अपने पिछले नुकसान की भरपाई करने के लिए अभी पेट्रोल-डीजल के भाव में कटौती नहीं कर रही हैं। बता दें कि अप्रैल में रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के दौरान कच्चा तेल रिकॉर्ड ऊंचाई पर था जिसकी वजह से राष्ट्रीय तेल कंपनियों को काफी नुकसान हुआ था। देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली से सटे नोएडा में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल का 97.18 रुपए और डीजल का भाव 90.05 रुपए प्रति लीटर पर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल का भाव 96.57 रुपए और डीजल की कीमत 89.76 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है।

जेरोधा के सीईओ ने कर्मचारियों से कहा- जो फिटनेस लक्ष्य हासिल करेगा उसे मिलेगा बोनस

नई दिल्ली । ऑनलाइन ब्रोकिंग फर्म जेरोधा के सह-संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने अपनी कंपनी के कर्मचारियों के लिए एक नई पहल की है। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस के लिए रोजाना गोल्स सेट करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि जो कर्मचारी अपने फिटनेस लक्ष्य को हासिल कर लेगा उसे बोनस के रूप में एक महीने का वेतन दिया जाएगा। उन्होंने अपने कर्मचारियों को फिटनेस को लेकर चैलेंज दिया है। कामथ ने फिटनेस ट्रैकर पर अपने कर्मचारियों को रोजाना एक लक्ष्य निर्धारित करने का चैलेंज दिया है। कामथ ने एक लिंक्डइन पोस्ट में कहा है कि हममें से अधिक लोग वर्क फ्रॉम होम में हैं। बैठने और स्मोकिंग की आदत लगातार बढ़ रही है। इसलिए हम अपनी टीम को एक्टिव करने के लिए कुछ कर रहे हैं। फिटनेस ट्रैकर का इस्तेमाल करने वाले लोगों को देखना दिलचस्प होगा। कामथ के अनुसार एक महीने की बोनस सैलरी पाने के लिए कर्मचारियों को अपने रोजना फिटनेस लक्ष्य का 90 फीसदी हासिल करना होगा। साथ ही इसमें 10 लाख रुपए का एक लकी ड्रा भी रखा गया है। उन्होंने कहा ?कि जेरोधा में हमारा नया चैलेंज फिटनेस ट्रैकर्स पर डेली टार्गेट सेट करना है। उन्होंने कहा कि यह एक ऑप्शनल प्रोग्राम है और प्रति दिन कम से कम 350 एक्टिव कैलोरी किसी भी रूप में बर्न होनी चाहिए। कामथ ने एक फिटनेस ऐप का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए अपने पर्सनल अनुभव भी शेयर किए। उन्होंने बताया कि कोरोना के दौरान मेरा वजन बढ़ गया था।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 393 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ तक बढ़ी

अगस्त, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,60,645.94 करोड़ रुपए हो चुके हैं खर्च

नई दिल्ली । बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 393 परियोजनाओं की लागत 4.65 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत में बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की अगस्त, 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,526 परियोजनाओं में से 393 की लागत बढ़ गई है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। इन 1,526 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,26,460.93 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,91,823.45 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,65,362.52 करोड़ रुपए बढ़ गई है। अगस्त, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,60,645.94 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 52.49 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 500 पर आ जाएगी। वैसे रिपोर्ट में 607 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 647 परियोजनाओं में से 132 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 118 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 273 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 124 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 647 परियोजनाओं में हो रही देरी का औसत 41.64 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इनके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कोविड-19 की वजह से विभिन्न राज्यों में लगाए गए लॉकडाउन से भी परियोजनाओं में देरी हुई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी शुरू की वॉट्सऐप बैंकिंग सुविधा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक ऑफ बड़ौदा भी वॉट्सऐप बैंकिंग की सुविधा दे रहा है। आप बैंक ऑफ बड़ौदा के वॉट्सऐप नंबर पर चैट के जरिए बैंक बैलेंस और मिनी स्टेटमेंट की जानकारी समेत कई सर्विस का फायदा उठा सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग सेवा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध है। बैंक के ग्राहक घर बैठे केवल अपने वॉट्सऐप बैंकिंग के जरिए अकाउंट बैलेंस की जांच के अलावा, मिनी स्टेटमेंट, डेबिट कार्ड ब्लॉक करने, चेकबुक आदि के लिए रिक्वेस्ट कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले 8433888777 नंबर के अपने मोबाइल में सेव करें। इसके बाद इस नंबर पर एचआई भेजें। बैंक ऑफ बड़ौदा अपने आप से उपलब्ध सर्विस की लिस्ट आपके सामने रखेगा। अब लिस्ट से आवश्यक सर्विस का कीवर्ड टाइप करें और उस पर क्लिक करके उपयोग कर सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा की वॉट्सऐप बैंकिंग के साथ का आप 24 घंटे फायदा ले सकते हैं।

महिंद्रा ने बच्चे का वीडियो शेयर कर क्यों की इसको शांतिदूत बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली । उद्योगपति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रमुख आनंद महिंद्रा अक्सर सोशल मीडिया पर मजेदार और प्रेरणादायक पोस्ट करने के लिए जाने जाते हैं। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन हर दिन ऐसे पोस्ट शेयर करते हैं, जिसमें सोसाइटी के लिए कोई न कोई एक गहरा संदेश छिपा होता है। अब हाल ही में उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। आनंद महिंद्रा की ओर से ट्विटर पर शेयर की गई वीडियो में एक प्यारा बच्चा हवाई जहाज से नीचे उतर रहा है। खास बात यह है कि महिंद्रा ने यह वीडियो संयुक्त राष्ट महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को टैग करते हुए शेयर किया है। वीडियो में यह बच्चा फ्लाइट से उतरते वक्त सीटों पर बैठे सभी यात्री को 'हाय' कह रहा है। दूसरी और सभी यात्री भी बच्चे को रिप्लाई कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया यूजर को इस बच्चे का अंदाज काफी पसंद आ रहा है और लोग इस वीडियो को जमकर लाइक और शेयर कर रहे हैं। आनंद महिंद्रा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, दुनिया अधिक संघर्ष-ग्रस्त होती जा रही है। रूस की लामबंदी केवल संकट को बढ़ाती है, लेकिन बच्चे हमें याद दिलाना जानते हैं कि दुनिया कैसी होनी चाहिए। उन्होंने लिखा है कि इस बच्चे को शांति और सद्भावना के लिए संयुक्त राष्ट का राजदूत बनाना चाहिए। ट्विटर पर शेयर की गई इस वीडियो को अब तक 2 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं।

सेंसेक्स की दस प्रमुख कंपनियों में से 7 का बाजार पूंजीकरण 1.34 लाख करोड़ घटा

सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

मुंबई । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1,34,139.14 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 741.87 अंक के नुकसान में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, बजाज फाइनेंस और आईटीसी को छोड़कर प्रमुख 10 की सूची की अन्य कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 40,558.31 करोड़ रुपए घटकर 16,50,307.10 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 25,544.89 करोड़ रुपए घटकर 8,05,694.57 करोड़ रुपए, अडानी ट्रांसमिशन का बाजार मूल्यांकन 24,630.08 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 4,31,662.20 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 18,147.49 करोड़ रुपए टूटकर 6,14,962.99 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,950.94 करोड़ रुपए घटकर 4,91,255.25 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 9,458.65 करोड़ रुपए घटकर 10,91,421.84 करोड़ रुपए और इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में 5,848.78 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,74,463.54 करोड़ रुपए रह गया।

इस रुख के विपरीत हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 35,467.08 करोड़ रुपए बढ़कर 6,29,525.99 करोड़ रुपए, आईटीसी की बाजार हैसियत 20,381.61 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,29,198.61 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 13,128.73 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 4,54,477.56 करोड़ रुपए रहा। दस प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

प्राकृतिक गैस की कीमत में हो सकती है रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली । प्राकृतिक गैस की कीमत इस सप्ताह में होने वाली समीक्षा के बाद रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच सकती है। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक और वाहनों के लिए सीएनजी उत्पादन में होता है। देश में उत्पादित गैस की कीमत सरकार तय करती है। सरकार को गैस कीमतों में अगला संशोधन एक अक्टूबर को करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के पुराने क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिए भुगतान की जाने वाली दर 6.1 डॉलर प्रति इकाई (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) से बढ़कर नौ डॉलर प्रति इकाई पर पहुंच सकती है। यह नियमन वाले क्षेत्रों के लिए अब तक की सबसे ऊंची दर होगी। बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बीच यह अप्रैल, 2019 से प्राकृतिक गैस कीमतों में तीसरी वृद्धि होगी। सरकार प्रत्येक छह महीने में गैस के दाम तय करती है। यह कीमत अमेरिका, कनाडा और रूस जैसे गैस अधिशेष वाले देशों की पिछले एक साल की दरों के आधार पर एक तिमाही के अंतराल के हिसाब से तय की जाती है। ऐसे में एक अक्टूबर से 31 मार्च, 2023 तक के लिए गैस का दाम जुलाई, 2021 से जून, 2022 की कीमत के आधार पर तय किया जाएगा। उस समय गैस कीमतें ऊंचाई पर थीं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस के मूल्य की समीक्षा का फॉर्मूला तय करने के लिए एक समिति गठित की थी। समिति के समक्ष यह मुद्दा लंबित होने की वजह से यह व्यावहारिक वजह होगी कि एक अक्टूबर को गैस के दामों में संशोधन नहीं किया जाए। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, योजना आयोग के पूर्व सदस्य किरीट एस पारेख की अध्यक्षता वाली समिति को अंतिम उपभोक्ता के लिए गैस के उचित मूल्य का सुझाव देने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि इस समिति में गैस उत्पादक संघों और ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल हैं। समिति को अपनी रिपोर्ट इस माह के आखिर तक देने को कहा गया है, लेकिन इसमें देरी हो सकती है।

आयुर्वेद के इन नुस्खों से दूर होगी खांसी, आजमाते ही मिलेगा आराम

मौसम के बदलाव के साथ ही शरीर में कई तरह की परेशानियां उठने लगती हैं। मानसून के दिन आते ही जहां खांसी-जुकाम की समस्या तो दो-चार दिन में दूर हो जाती हैं लेकिन खांसी की समस्या लम्बे समय तक परेशान करती हैं। हाई पॉल्यूशन लेवल, धूल और जहरीले धुएं के कारण भी खांसी की तकलीफ होती हैं। इसके कारण दिन को तकलीफ होने के साथ ही रात की नींद भी खराब हो जाती हैं। कई बार दवाइयों का सेवन करने पर भी खांसी दूर नहीं हो पाती हैं। ऐसे में आपकी मदद कर सकता हैं आयुर्वेद जिसमें कई ऐसे नुस्खें बताए गए हैं जो खांसी से आराम दिलाने का काम करते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको आयुर्वेद के उन उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अपना कर आप जल्द ही सूखी खांसी से निजात पा सकते है। आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

नमक के पानी से गरारे

यह एक गले में खराश से निपटने का सबसे आम तरीका है। यह सुरक्षित और तत्काल राहत प्रदान करता है और गले में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने में भी प्रभावी है। इसे तैयार करने के लिए, एक कप गर्म पानी लें और उसमें आधा चम्मच नमक मिलाएं। अच्छी तरह से मिलाएं और गरारे करें।

पिप्पली

पिप्पली में वायुनाशक, दर्द निवारक और कफ को साफ करने वाले गुण पाए जाते हैं। वात प्रकृति वाले लोगों के लिए पिप्पली का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। खांसी के साथ-साथ ब्रॉन्काइटिस, गठिया, अस्थमा और साइटिका के आयुर्वेदिक इलाज में भी इसका प्रयोग किया जाता है। यह आयुर्वेदिक हर्ब शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में उपयोगी है।

शहद

शहद के एंटी-बैक्टीरियल गुण खांसी से जल्द राहत दिलाते हैं। सिर्फ शहद चाटने से खांसी को दूर किया जा सकता है। रात को सोने से पहले 1 चम्मच शहद पिएं। वहीं शहद के उपयोग का एक तरीका यह भी है कि आधा चम्मच शहद में थोड़ी इलायची और नींबू का जूस डालकर दिन में 3 बार लें।

हल्दी पाउडर

हल्दी के अंदर एंटीसेप्टिक, एंटीबैक्टीरियल, एंटी इंफ्लेमेटरी एवं एंटी ऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं। आधी चम्मच हल्दी गर्म दूध में मिला लें। 15 दिनों तक दिन में दो बार पियें। यह खाँसी को कम करके बलगम को गले से निकल देता है। यह सर्वश्रेष्ठ उपायों में से एक उपाय है। इसके अलावा हल्दी पाउडर को शहद के साथ मिलाकर दिन में तीन बार सेवन करने से सूखी खांसी का इलाज होता है। यह खांसी का देसी इलाज है, जो कि बहुत प्रभावी साबित होता है।

काली मिर्च

खाँसी का कोई भी उपचार काली मिर्च द्वारा किया जा सकता है। यह बलगम की झिल्ली को ढीला करता है तथा छाती के जमाव को कम करता है और खोलता है। आप दो तीन साबुत काली मिर्च आधे घंटे तक धीरे धीरे चबाएं फिर उसके ऊपर एक चम्मच शहद खा लें, फिर धीरे-धीरे चबाई हुई इस काली मिर्च को निगल लें। इसके अलावा काली मिर्च और अजवाइन को थोड़ी मात्रा में लेकर आधा चम्मच नमक मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं।

अदरक का काढ़ा

अदरक का इस्तेमाल सर्दी-खांसी के घरेलू उपाय के रूप में कई सदियों से किया जा रहा है। यह गले में खराश, उल्टी और दर्द को कम करने में भी घरों में इस्तेमाल की जाती है। दिन में दो बार आधी छोटी चम्मच अदरक के रस में उसी मात्रा में शहद मिलाकर लें। या फिर एक छोटी चम्मच ताजा पिसा हुआ अदरक लें, एक बड़ा चम्मच मेथी दाना और 7 कालीमिर्च लें इन सबको दो कप पानी में तब तक उबालें जब तक यह केवल एक कप के बराबर ना रह जाए। इस काढ़े को दिन में तीन चार बार पीएं।

मुलेठी

रात को सूखी खांसी बेहद परेशान करती है तो मुलेठी, सौंफ और मिश्री का चूर्ण बनाकर खाएं। मुलेठी सौंफ और मिश्री को बराबर मात्रा में लेकर बारीक पाउडर बना लें। इस चूर्ण को रोज रात सोने से पहले शुद्ध शहद के साथ खाएं आपको फायदा मिलेगा।

प्याज

प्याज के अंदर बेहतरीन जीवाणुरोधक, अज्वलनशील, तथा अनेक कीटाणुनाशक तत्व पाए जाते हैं। कटी हुई प्याज का रस पीने से बलगम ढीला हो जाता है, जिससे छाती की जकड़न कम हो जाती है। एक-दो छोटी चम्मच प्याज का रस ले, इसमें एक दो छोटी चम्मच शहद मिलाएँ। इस मिश्रण को 5 घंटे के लिए अलग रखें, फिर रोगी को इसमें से एक चम्मच रस दिन में दो तीन बार दें। या फिर एक-दो छोटी चम्मच प्याज का रस में एक-दो छोटी चम्मच नींबू का रस निचोड़े, थोड़ा पानी डालकर उबालें। जब ठंडा हो जाए 1-2 छोटी चम्मच शहद मिलाएँ। इस कफ सिरप को 5 घंटे के लिए अलग रखें फिर दिन में दो तीन बार एक छोटी

तुलसी

तुलसी में दर्द निवारक, जीवाणुरोधक और रोगाणुरोधक गुण होते हैं। सभी तरह की खांसी के प्रकार में यह उपयोगी है। तुलसी से खांसी कैसे सही करें? इस सवाल का जवाब यह है कि तुलसी के पत्ते, अदरक और शहद से बनी चाय पिएं। तेज रिकवरी के लिए आप तुलसी के पत्तों को चबा भी सकते हैं। खांसी की वजह से गले में दर्द है, तो इसके लिए इसमें दालचीनी का पाउडर भी मिला सकते हैं।

गर्भधारण से पहले कम करें वजन

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनो ही स्वस्थ रहते हैं। इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है। इस दौरान आपको अपने वजन का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप गर्भधारण करने के बारे में सोच रहीं हैं तो आपको सबसे पहले अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहिए। अगर आप गर्भावस्था से पहले मोटी हैं तो इसके कारण आपको गर्भावस्था के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ किलो वजन घटाकर आप गर्भावस्था से जुड़ी कई तरह की समस्या को दूर कर सकती हैं। तो चलिए हम आपको इसके कुछ और कारण बताते हैं कि क्यों गर्भावस्था से पहले आपको अपना वजन कम कर लेना चाहिए। इन कारणों को जानने के बाद आप वजन घटाने के लिए तैयार हो जाएंगीं।

कई शोधों में ये दावा किया जा चुका है कि गर्भपात, बच्चे में कोई कमी और जन्म के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का कारण मोटापा हो सकता है।

प्रजनन में आती हैं दिक्कतें

मोटापे के कारण आपकी प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे का असर महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है। जी हां, ये बात सच है कि मोटापे के कारण कई महिलाएं शुरुआती स्तर में ही गर्भधारण नहीं कर पाती हैं।

गर्भावस्था के दौरान मोटापे की वजह से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य कई तरह की समस्यासओं का खतरा बढ़ जाता है। जन्म से ही मधुमेह इन सामान्य खतरों के अलावा आपके बच्चे को कोई घातक परेशानी या रोग भी हो सकता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मोटापे के कारण बच्चे को जन्म से ही मधुमेह की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा बच्चे को और भी कई रोग होने का खतरा बना रहता है।

वहीं अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है पर इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है। इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें

खानपान का रखें ध्यान

अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें।

विटामिन व पोषक तत्वों का भंडार हैं प्याज के छिलके, इस्तेमाल से होते हैं हैरान करने वाले फायदे

अक्सर आप सब्जियों के तना और छिलकों को कचरा समझकर फेंक देते होंगे लेकिन ऐसा करना आपकी सबसे बड़ी भूल है। सब्जियों के सभी भाग में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व उपस्थित होते हैं। यहां तक कि प्याज के छिलकों में भी। प्याज के छिलकों में विटामिन ए, सी, ई और कई तरह एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। प्याज के छिलकों में मुख्य रूप से फ्लेवोनोइड, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाएं जाते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहें हैं इसके इसे हेल्थ संबंधित फायदे और इस्तेमाल करने का तरीका जिसके बाद आप दुबारा फेंकने की भूल नहीं करेंगे।

मांसपेशियों के दर्द में फायदेमंद: प्याज के छिलको में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट गुण मसल क्रैम्प्स या मांसपेशियों में दर्द को कम करने का काम करता है। ऐसे में आप प्याज के छिलके को 10-20 मिनट के लिए पानी में उबालें। फिर इसे छान लें और सोने से पहले इसे चाय की तरह पिएं।

त्वचा में खुजली से राहत: प्याज में छिलकों में एंटी-फंगल गुण होते हैं। जो उन्हें एथलीट फुट समेत त्वचा की समस्याओं जैसे-खुजली से राहत दिलाने में प्रभावी काम करते हैं। राहत के लिए अपनी त्वचा पर छिलकों को पानी में उबाल कर लगा सकते हैं।

सूजन और कैंसर से बचाव: एक शोध में सामने आया है कि प्याज के छिलकों में प्रचूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स, क्वेरसेटिन और फीनोलिक शरीर में सूजन, कैंसर जैसी समस्याओं से बचाव में काफी कारगर साबित होते हैं।

गले की समस्याओं में राहत: प्याज के छिलकों को पानी में डालकर गरारा किया जाए या फिर चाय में

उबालकर पिया जाए तो इससे गले की खराश व अन्य समस्याओं से राहत मिलती है। सर्दी-जुकाम में गले में दर्द रहता है। प्याज के छिलकों को पानी के साथ उबालकर उससे गरारा करने से तुरंत फायदा मिलता है।

अनिद्रा की समस्या में फायदेमंद: प्याज के छिलके अनिद्रा में प्राकृतिक प्रेरक का काम करती है। यदि आपको नींद नहीं आती है या बार-बार टूट जाती है तो इनके छिलकों से तैयार चाय आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

हार्ट की समस्या: प्याज के छिलकों को पानी में डालें और उसे अच्छी तरह से उबाल ले इसके बाद इसको छानकर गर्म-गर्मी पिएं। ऐसा करने से आपकी हार्ट की समस्या दूर होती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में उपयोगी: प्याज के छिलकों में भरपूर मात्रा में विटामिन सी व ए पाया जाता है। और यह दोनो ही विटामिन आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होते हैं। आंखों को हेल्दी रखने के लिए आप इससे तैयार चाय का सेवन कर सकत हैं।

त्वचा के लिए: दमकती त्वचा पाने के लिए प्याज के छिलकों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए प्याज के रस को हल्दी में मिक्स करें और चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से चेहरे के दाग-धब्बों दूर होते हैं। प्याज के छिलकों का रस डेड स्किन को बाहर निकलाने में मददगार माना जाता है। इससे न सिर्फ स्कीन साफ होगी बल्कि त्वचा भी चमकदार बनेगा।

कैसे बनाएं प्याज के छिलकों की चाय?

सामग्री: 3 से 4 मीडियम आकार के प्याज के छिलके, 2 कप पानी, 1 चम्मच शहद

कैसे करें तैयार: प्याज के छिलकों से चाय बनाने के लिए छिलकों को पानी में अच्छी तरह से साफ कर लें।, अब पानी में इसे उबाल लें।, इसे तब तक आंच पर चढ़ा रहने दें जब तक पानी का रंग न बदलने लगे।

ससुराल को रखें खुश

शादी के बाद ससुराल में प्रवेश करते ही हर लड़की नए बंधनो में बंध जाती हैं और इसके साथ ही उसकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती है। ऐसे में लड़की के लिए जरूरी होता हैं कि वह अपने ससुराल वालों को भी खुश रखें और उन्हें अपने मायके की तरह ही प्यार करे। इसलिए अगर आपकी भी नई-नई शादी हुई है, तो इन आसान तरीका से आप भी अपने ससुराल वाला का दिल जीत सकती है। इससे आपकी शादीशुदा जिंदगी अच्छी चलेगी और आप भी खुश रहेंगी।

सबका मन जीते

- शादी का यह मतलब नहीं कि आपका रिश्ता सिर्फ आपके पति के साथ ही है। बल्कि उसके पूरे परिवार के साथ आपके रिश्ते की डोर बंधी है। इसलिए सभी का मान-सम्मान करें और अपने मीठे बोल व काम से सभी का दिल जीतने का प्रयास करें। तभी आप ससुराल में अपनी एक खास जगह बना पाएंगी।
- पूरे परिवार के साथ घुलमिल कर रहें, ताकि आपको अपने ससुराल में घुलने-मिलने में किसी तरह की केई परेशानी न आये। इससे आप सभी का व्यवहार भी समझ पायंगी और रिश्तों में कड़वाहट नहीं आयेगी।
- हर सास को उम्मीद होती है कि उसकी बहू ऐसी आये जो उसके परिवार को एक डोर से बांध सके। हो सकता है कि शुरुआत में आपकी सास आपके साथ थोड़ी सख्त हो, लेकिन आप अपने प्यार से उनका दिल जीत सकती है क्योंकि सास ही आपके पति और आपके बीच की एक अहम कड़ी है। इसलिए उनका निरादर कभी न करें।
- हर घर में थोड़ी बहुत तकरार होती रहती है। अगर आपको भी ससुराल में किसी बात से परेशानी है या किसी का व्यवहार आपको पसंद नहीं, तो उनसे खुलकर बात करें। पति को इस संशय में न फंसाए कि उन्हें परिवार के सामने आपका पक्ष लेना पड़े। इससे रिश्ते कमजोर पड़ते हैं और परिवार टूटता है।

इस प्रकार आप रहेंगी स्वस्थ

महिलाओं को ऐसी बहुत सी समस्याएं होती है जिसका सही समय पर इलाज न होने पर वो किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसलिए उन्हें शुरुआत से ही सावधान रहना चाहिये। वैसे तो लहसुन का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे महिलाओं की कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती है। रोजाना केवल एक लहसुन का सेवन करने से आप कई तरह बीमारियों से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए आपको दवाइयों का सहारा भी नहीं लेना पड़ेगा। एक आम समस्या कब्ज की है जो महिलाएं किसी से कह नहीं पातीं।

जिसके कारण उनकी ये समस्यां किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसके लिए रोजाना एक लहसुन की कली को शहद में मिला कर खाने से शरीर के विषाक्त पदार्थों बाहर निकल जाएंगे और आपकी कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी।

पैरों की झनझनाहट

पैरों में झनझनाहट होने पर आप इसे छोटी सी बात समझ कर अनदेखा कर देते है। लहसुन में मौजुद प्रोटीन, वसा, कार्बोज, खनिज पदार्थ नसों की झनझनाहट की समस्यां दूर हो जाती है। रोजाना एक लहसुन की कली खाने से बार-बार पैरों में झनझनाहट होनी बंद हो जाएगी।

आज के समय में ब्लड प्रैशर की समस्यां ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार हाई बल्ड प्रैशर होने पर खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इस समस्यां से छुटकरा पाया जा सकता है। ये ब्लड सर्कुलेशल को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा लहसुन खाना दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

इम्युन सिस्टम मजबूत

शरीर की ज्यादातर बीमारियां इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर होती है। रोजाना खाली पेट एक लहसुन का पेस्ट बनाकर नींबू और शहद मिला कर खाने से इम्यून सिस्टम तो ठीक रहता ही है साथ ही इससे कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में होता है। लहसुन इन दोनों को बेहतर बनाकर शरीर से बीमारियों को दूर रखता है।

स्ट्रेच मार्क्स से छुटकारा पाने करें घरेलू उपाय

महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान शरीर में खिंचाव व खुजली होना आम बात है। इससे पेट पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं जो अच्छे नहीं लगाते। पेट के अलावा भी यह शरीर के विभिन्न हिस्सों पर हो सकते हैं, विशेषकर पेट, जांघ, हिप्स ब्रेस्ट, हाथ और पीठ पर इसका कारण अचानक वजन बढ़ना या फिर गर्भ होना हो सकता है। दरअसल इस दौरान त्वचा खिचने लगती है। इस दौरान होने वाली खुजली के कारण भी स्ट्रेच मार्क्स हो जाते हैं। बार-बार खुजलाने से त्वचा पर सफेद लकीरें पड़ने लगती है और यह काफी ढीली-सी हो ताजी है, जो देखने में बेहद खराब भी लगती हैं। जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज जैसे वेट लिफ्टिंग करने से भी स्ट्रेच माक्स्र आ जाते हैं। इन्हें दूर करने ये घरेलू तरीके अपनायें।

नीबू का रस निकलाकर इन्हें स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं। आलू या फिर टमाटर को काट लें अब इसका एक टुकड़ा अपने स्ट्रेच मार्क्स पर लगाएं इसें लगभग एक हफ्ते तक ट्राई करें। मार्क्स गायब होने लगेंगे1

इसमें एलोवेरा बेहद कारगर रहता है। इसे लगाने के लिए इसका जैल निकाल लें। अब इसे रात को अपने स्ट्रेच मार्क्स पर लगभग 30 मिनट के लिए लगाकर रखें। बाद में ठंडे पानी से इसे धो लें। फायदा होगा।

अंडा भी आपको स्ट्रेच मार्क्स से राहत दिला सकता है। अंडे के बाहरी हिस्से में मौजूद प्रोटीन स्ट्रेच मार्क्स हटाने में काफी कारगर होता है।

नये कांग्रेस अध्यक्ष पर रहेगी सभी की नजर !

गांधी परिवार से कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनने की घोषणा के साथ गत लोंकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुये तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से बहुत दिनों तक खाली पड़े कांग्रेस अध्यक्ष पद हेतु कांग्रेस में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है, 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक नामांकन की तिथि एवं 8 अक्टूबर तक नाम वापिस लेने की तिथि तय की गई है। एक से अधिक नामांकन नहीं आने पर नये कांग्रेस अध्यक्ष की घोषणा 8 अक्टूबर को हो जायेगी वरना 17 अक्टूबर को चुनाव एवं 19 अक्टुबर की गिनती के साथ नये कांग्रेस अध्यक्ष की घोषण होगी। इस कड़ी में अब तक कांग्रेस अध्यक्ष पद हेतु जिन नामों की चर्चा हो रही है उसमें शशि थरूर, राजस्थान से वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मनीष तिवारी एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। ये चारों नाम गांधी परिवार से अलग जरूर हे पर इसमें अशोक गहलोत एवं दिग्विजय सिंह को गांधी परिवार का भरोसेमंद माना जा रहा है तो शशि थरूर एवं मनीष तिवारी को जी 23 का सदस्य जिसने कांग्रेस में चुनाव किये जाने की सोनिया गांधी को पत्र लिखकर वकालत की थी। इस प्रक्रिया से पहले कांग्रेस अध्यक्ष पद पर गांधी परिवार से ही किसी न किसी को चुने जाने की हर तरह से कोशिश की जा चुकी है जिसकी पहल में गांधी परिवार के भरोसेमंद रहे कांग्रेसी नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। इस कड़ी से जुड़े नामों में अशोक गहलोत एवं दिग्विजय सिंह का नाम चर्चा में है जिनके कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नामांकन की भी चर्चा हैं। अभी हाल ही गांधी परिवार से ही अध्यक्ष बनाये जाने की अंतिम कोशिश में भारत यात्रा पर निकले राहुल गांधी से केरल जाकर राजस्थान के मुख्य मंत्री अशोक गहलोत मिल चुके है पर उनके इंकार के बाद इस दौड़ में शामिल होने का अपना मानस बना लिया है एवं नवरात्रि प्रारम्भ से एक दिन पूर्व अपना नामांकन करने की बात कही जबकि उन्हें अच्छी तरह मालूम है कि राहुल गांधी से मिलने के बाद उदयपुर कांग्रेस अधिवेशन में लिये गये एक व्यक्ति एक पद के सिद्धान्त अमल करने पर कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर राजस्थान मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ सकता है, जिसके लिये वे मानस भी बना चुके है। इस तरह के उभरते परिवेश में गांधी परिवार से बाहर कांग्रेस का कौन अध्यक्ष बनकर सामने आता है इस पर पूरे देश की नजर टिकी हुई है। इस पूरे प्रक्रिया पर कांग्रेस के विपक्षी केवल इसे नाटक बता रहे है, उनका मानना है गांधी परिवार से अलग भले ही कांग्रेस का नया अध्यक्ष चुनकर आ जाये पर उसपर भी नियंत्रण गांधी परिवार का ही रहेगा। इस संदर्भ कांग्रेस अध्यक्ष पद पर विराजमान गांधी परिवार की सदस्या श्रीमती सोनियां गांधी के कार्यकाल में देश की सत्ता पर कांग्रेस सरकार के तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का उदाहरण भी दिया जा रहा है जो गांधी परिवार से अलग होते भी सोनिया गांधी की अनुकंपा के चलते स्वतंत्र कार्य नहीं कर पाये। वैसे इस कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव में श्रीमती सोनिया गांधी किसी का भी समर्थन नहीं करने की बात अपनी ओर से उजागर कर चुकी है। पर चुनाव उपरान्त गांधी परिवार से अलग हटकर आये नये कांग्रेस अध्यक्ष पर गांधी परिवार का वर्चस्व बना रहता है या नहीं, पुरे देश की नजर इस ओर टिकी हुई है। इस परिवेश में कांग्रेस के चुनकर आये नये अध्यक्ष पर सभी की नजर रहेगी।

यूं ही नहीं मोदी कहलाता हूं मै, बिखरा हुआ है विपक्ष तो कांग्रेस है कमजोर

मुस्ताअली बोहरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी....सिर्फ नाम ही काफी है। लेकिन आसान नहीं है नरेन्द्र मोदी हो जाना। तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों और विरोध के बावजूद लगातार दूसरी बार पीएम बने मोदी की लोकप्रियता भारत ही नहीं पूरी दुनिया में है। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी को भी मोदी के अलावा किसी और नेता में इतना भरोसा नजर नहीं आ रहा है जो चुनाव जिता सके। गुजरात, हिमाचल प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, त्रिपुरा, राजस्थान में विधानसभा चुनाव होना है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। सूबे में सत्ता से लेकर संगठन तक को चुस्त दुरूस्त किया जा रहा है। सूत्रो की मानें तो इन राज्यों में भी मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। अंदरखाने खबर है कि पार्टी को मौजूदा मुख्यमंत्रियों पर एतबार कम ही है कि वे अपने बूते चुनाव जिता पाएंगे। कहा ये भी जा रहा है कि मुख्यमंत्रियों और उनकी नीतियों को लेकर चुनाव में खामियाजा उठाना पड़ सकता है। शायद यही वजह है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में भी मोदी को ही आगे रखकर वोट जुटाने की रणनीति बनाई है। हालांकि, विपक्षियों का तर्क है कि पार्टी को अपने ही मुख्यमंत्रियों पर एतबार नहीं है, यही वजह है कि विधानसभा चुनावों में सीएम के बजाए पीएम को उतारा जा रहा है। विपक्ष अपने इस दावे को पुख्ता करने के लिए मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के स्थानीय निकाय चुनाव परिणाम को आधार बना रहा है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने जिस तरह से स्थानीय निकाय के चुनाव में प्रदर्शन किया उससे पार्टी की बांछें खिली हुई हैं।

भाजपा के आला नेता इस बात को मानते हैं कि जिन सूबों में पार्टी की सरकार है वहां सत्ता और संगठन के बीच तालमेल की कमी है। इसके अलावा वहां सत्ता के खिलाफ भी माहौल है। चूंकि, विस चुनाव में ज्यादा वक्त नहीं है लिहाजा पार्टी ऐसे राज्यों में सीएम बदलने के मानस में नहीं है। क्योंकि ऐसा करने पर भीतरघात की भी संभावना बलवती हो जाएगी। लिहाजा, पार्टी मोदी फार्मूले पर ही टिके रहना चाहती है जो कि हिट भी है। जहां तक विपक्ष के आरोपों का सवाल है तो भाजपा का बड़ा खेमा ये मानता है कि मोदी के खिलाफ कोई भी आरोप नहीं टिक पाता फिर चाहे वह मंहगाई का हो, बेराजगारी का हो या कोई और। एंटी इंकम्बेंसी पर मोदी फैक्टर अब तक हावी ही रहा है और इसका असर देखने को भी मिलता है। भाजपाई अपने इस दावे के लिए यूपी चुनाव का उदाहरण देते हैं। वैसे भी, मोदी के खिलाफ विपक्ष के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अभी खुद की उलझने सुलझाने में लगी हुई हैं। राहुल गांधी फिलहाल, भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। इस यात्रा से कांग्रेस में जान फूंकने की कोशिश की जा रही है। बाकी के राजनैतिक दलों में कोई भी ऐसी पार्टी या नेता नहीं है जिसका जनाधार उन सभी राज्यों में हो जहां चुनाव होने वाले हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। इधर, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी अपनी पार्टी का दायरा बढाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी भी विपक्ष को एक साथ लाने की कोशिश कर चुकी हैं। जहां तक विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास मुददों का सवाल है तो राज्यस्तर की नीतियों और उपलब्धियों के अलावा केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को भुनाने की कोशिश की जाएगी। जनता तक ये मैसेज पहुंचाया जाएगा कि केन्द्र में भाजपा की सरकार है और यदि प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बनती है तो तेजी से विकास होगा। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां पार्टी सीटें बढ़ाने पर जोर देगी और जिन राज्यों में पार्टी विपक्ष में है वहां मोदी मैजिक के साथ सत्ता हासिल करने की रणनीति बनाई जा रही है। हालांकि, विपक्ष के पास इन सूबों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंहगाई और बेरोजगारी सहित अन्य कई मुददे हैं। जहां तक मोदी सरकार या फिर खुद प्रधानमंत्री मोदी को घेरने का सवाल है तो उनकी आर्थिक और औद्योगिक

नीतियों की विफलता, कटटर हिन्दुवादी छबि, कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने जैसे कई मुददे हैं। लेकिन ये सारे मुददे मोदी और भाजपा को चुनाव में कितना घेर पाएगें ये तो चुनाव परिणाम आने पर ही पता चलेगा।

भले ही शीर्ष स्तर पर कांग्रेस में इस्तीफों का दौर चल रहा हो और कौन पार्टी अध्यक्ष बनेगा इसको लेकर माथापच्ची हो रही हो लेकिन मध्यप्रदेश में कांग्रेस उत्साहित है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि कमलनाथ की अगुआई में एक बार फिर कांग्रेस चमत्कार दिखा सकती है। इधर, मध्यप्रदेश में भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। संगठन को चुस्त किया जा रहा है। वहीं हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में आए परिणामों ने कांग्रेस को भी उत्साहित कर दिया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से चूक गई थी तो कांग्रेस को गुटबाजी की वजह से सत्ता गंवानी पड़ गई थी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में सन 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 114 सीटें मिली थी। भारतीय जनता पार्टी को 107 सीटें मिली थी। 4 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे, जबकि 2 सीटें बसपा और 1 सीट पर समाजवादी पार्टी को संतोष करना पड़ा था। चूंकि, कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिली थीं लिहाजा पहले कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। लेकिन कमलनाथ की अगुआई में बनी कांग्रेस की सरकार ज्यादा दिन टिक नहीं सकी और कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक विधायकों के साथ बगावत कर भाजपा में शामिल हो गए। इससे कांग्रेस की सरकार गिर गई और शिवराज सिंह चौहान की अगुआई में भाजपा की सरकार बनी। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने ऐसी सीटों पर फोकस करना शुरू कर दिया है जहां वो दूसरे नंबर पर थी। इसके अलावा जिन सीटों पर मौजूदा भाजपा विधायकों के खिलाफ रोष है वहां भी कांग्रेस विशेष जोर देगी ताकि सीट हथियाई जा सके। दूसरी ओर भाजपा ने भी पराजित सीटों पर जीतने को लेकर रणनीति बनाई है। बताया जा रहा है कि बूथ मैनेजमेंट के जरिए इन हारी हुई सीटों को जीतने पर ध्यान दिया जा रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो संगठन के जरिए फिर से सत्ता तक पहुंचने का प्लान बनाया गया है। राज्यसभा सांसद, केन्द्रीय मंत्रियों के साथ ही संगठन के पदाधिकारियों को भी जवाबदेही दी जा रही है। ये सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर सीट पर लगातार दौरे होते रहे और कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया जा सके। भाजपाई सूत्रों का कहना है कि पार्टी का जोर मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड अंचल की सीटों पर ज्यादा है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को इन अचंलों में खासा नुकसान हुआ था। ऐसे में पार्टी सबसे ज्यादा इन क्षेत्रों में फोकस कर रही है। पार्टी नेताओं का मानना है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने से पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में खासा फायदा होगा। युवा मतदाताओं के अलावा इस बार आदिवासी वोटों पर भी भाजपा की नजर है। प्रदेश की आदिवासी बहुल सीटों पर लगातार कार्यक्रम, सम्मेलन और पदाधिकारियों के दौरों का खाका तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा के जरिए पूरे देश में माहौल बनाने को कोशिश में है। पार्टी के तमाम बड़े पदाधिकारी इस यात्रा से जुड़ रहे हैं। कार्यकर्ताओं में भी इस यात्रा को लेकर खासा उत्साह है। मध्य प्रदेश से जब ये यात्रा गुजरेगी तो इस दौरान खुद राहुल गांधी के साथ सूबे के बड़े नेता भी शामिल होंगे।

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

(26 सितम्बर जयंती पर विशेष)

नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

योगेश कुमार गोयल

एक गरीब परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने स्ट्रीट लाइट की रोशनी में कैसे अपनी पढ़ाई की और कैसे बंगाल पुनर्जारण के प्रमुख स्तंभ बन गए, यह लगभग हर किसी ने पाठ्य पुस्तकों में पढ़ा होगा लेकिन फिर भी अधिकांश व्यक्ति उनके बारे में ज्यादा नहीं जानते। 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे ईश्वर चंद्र विद्यासागर का बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। महान् समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद्, तथा स्वतंत्रता सेनानी ईश्वर चंद्र गांव के स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के पश्चात् अपने पिता के साथ कोलकाता आ गए थे। वे बहुत मेधावी छात्र थे, जिसके चलते उन्हें कोलकाता में कई संस्थानों से छात्रवृत्तियां मिली। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान ही वे संस्कृत भाषा और दर्शन के विद्वान माने जाने लगे, इसीलिए उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही संस्कृत कॉलेज ने 'विद्यासागर' (विद्या का सागर) की उपाधि प्रदान की। इस तरह वे ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय से ईश्वर चंद्र विद्यासागर बन गए।

1839 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दो वर्ष बाद फोर्ट विलियम कॉलेज में संस्कृत विभाग के प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला। पांच वर्षों तक यहां अपनी सेवाएं देने के पश्चात् उन्होंने संस्कृत कॉलेज में सहायक सचिव के तौर पर जिम्मेदारी संभाली और शिक्षा पद्धति में सुधार लाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए। कुछ मतभेदों के कारण उन्हें यह कॉलेज छोड़ने पर विवश होना पड़ा। 1849 में उन्होंने साहित्य के प्रोफेसर के रूप में इसी कॉलेज में पुनः वापसी की और कुछ ही समय बाद इसी कॉलेज के प्रिंसिपल बनने पर उन्होंने कॉलेज के दरवाजे सभी जातियों के बच्चों के लिए खोल दिए तथा संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। उनका मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय तथा पाश्चात्य परम्पराओं का श्रेष्ठ ज्ञान हासिल किया

जा सकता है। ईश्वर चंद्र नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की। स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए वे एक बार अयोध्या के नवाब के पास गए, जो अपनी निर्दयता और कंजूसियत के लिए विख्यात था। जब उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए नवाब से दान देने का आग्रह किया तो नवाब ने उनके थैले में अपना जूता डाल दिया। शांतचित्त विद्यासागर चुपचाप वहां से चले आए और अगले ही दिन नवाब के महल के सामने उसी जूते की नीलामी का कार्यक्रम आयोजित कर डाला। जूते की एक हजार रुपये में नीलामी हो गई। यह जानकर नवाब खुश हुआ और उसने विश्वविद्यालय के लिए एक हजार रुपये की राशि दान में दे दी।

बंगाली की कई वर्णमालाओं में संशोधन कर उसे सरल तथा आधुनिक बनाने में अमिट योगदान के कारण उन्हें 'आधुनिक बंगाली भाषा का जनक' भी माना जाता है। 1848 में उन्होंने बांग्ला भाषा की अपनी प्रथम गद्य रचना 'वैताल पंचविंशति' का प्रकाशन किया। संस्करण व्याकरण के नियमों पर भी किताब लिखी। वर्णमाला के अलावा महाकवि कालिदास के शकुंतला नाटक सहित कई पुस्तकों का संस्कृत से बंगाली में अनुवाद भी किया। बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल व तर्कसम्मत बनाने के अलावा उन्होंने बांग्ला पढ़ाने के लिए सैंकड़ों विद्यालयों और रात्रि पाठशालाओं की स्थापना की। समाज सुधार कार्यों की बदौलत ही उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। इन्हीं कार्यों के चलते समाज सुधारक के रूप में उन्हें राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को सदैव स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी।

भारत की सब्जियों पर अनेक देशों में रोक,मानव जीवन को चुनौती

सूडोकु नवताल- 6202

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6201 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

विजय कुमार जैन

फल और सब्जियों का उत्पाद बढ़ाने के लिए अत्याधिक मात्रा में खतरनाक कीट रसायनिक पदार्थ व कीटनाशक का इस्तेमाल किए जाने पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने कड़ी चिंता व्यक्त की है। उच्च न्यायालय ने यह चिंता तब व्यक्ति की जब बताया गया कि अत्याधिक खतरनाक रासायनिक पदार्थ और कीटनाशक के इस्तेमाल की वजह से कई देशों ने भारत के फल एवं सब्जियों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है मुख्य न्यायाधीश जी रोहिणी और न्याय मूर्ति राजीव सहाय की पीठ को मामले में नियुक्त न्याय मित्र ने अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि सब्जियों के अलावा कई अन्य खाद्य पदार्थों में रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल तय मात्रा से अधिक हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार पूरी दिल्ली में कीटनाशक युक्त फल व सब्जियां बिक रही हैं इतना ही नहीं यह हाल सिर्फ दिल्ली का नहीं है बल्कि पूरे देश में यही स्थिति है। न्याय मित्र ने पीठ को बताया कि यूरोपीय संघ ने भारत के अल्फांसो आम, बैंगन, करेला सहित कई अन्य फल और सब्जियों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि अत्यधिक कीटनाशक के इस्तेमाल की वजह से सऊदी अरब ने अपने यहां भारत से हरी मिर्ची के आयात पर रोक लगा दी है। इसके बाद उच्च न्यायालय ने नाराजगी जाहिर की है। इस मामले को उच्च न्यायालय में उठाने वाले गैर सरकारी संगठन कंजूमर वाइस ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में बिक रहे

फल और सब्जियों में यूरोपीय संघ द्वारा तय मात्रा से 750 गुना अधिक कीटनाशक का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही कहा है कि फल और सब्जियों में ऐसे कीटनाशक का प्रयोग हो रहा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं। देश में अनाज और सब्जियों की खेती में कीटनाशक रसायनों का जोरशोर से उपयोग करने से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा हो गया है। रासायनिक खाद का उपयोग अधिक पैदावार लेने किया जा रहा है। रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के कृषकों द्वारा खेती में उपयोग करने से आम जनता के जीवन को खतरा पैदा हो गया है।

समस्त कीटनाशक जैविक जहर हैं। विभिन्न प्रकार के जहर अलग अलग तरह से प्रभावी होते हैं। सभी जहर जीव कोशिकाओं में सतत चल रही रासायनिक जीवन प्रक्रिया को बाधित कर देते हैं। ऐसे कीटनाशकों के प्रयोग से रक्त कैंसर, ब्रेन केंसर और साफ्ट टिश्यू सरकोमा नामक कैंसर होने की दर अधिक होती है। मानव शरीर में रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति क्षीण होने से भी कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। विभिन्न प्रकार के रासायनिक जहर होते हैं। मानव शरीर पर इनका कुप्रभाव पड़ता है। इनसे कैंसर भी हो सकता है।

यह साक्ष्य कीटनाशकों के व्यापक प्रयोग पर धीरे धीरे सामने आये है। कीटनाशकों के व्यापक प्रयोग से अमेरिका में पक्षी विलुप्त हो गये। पक्षियों का कलरव बंद हो गया। इसी को आधारित कर ÷रेचल कारसन÷ ने सन 1962 में ÷साइलेंट स्प्रिंग÷ पुस्तक लिखी जो क्रांतिकारी सिद्ध हुई। पहलीबार कीटनाशकों के घातक प्रभाव उजागर हुए और मीडिया ने भी इसे प्रमुखता से उठाया। जिसके कारण जनसाधारण भी उद्वेलित हुआ और सरकार जागी। विश्व भर में प्रतिक्रिया हुई।

कृषि विभाग द्वारा हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार देश के विभिन्न क्षेत्रों में फल, सब्जियों, अण्डों और दूध में कीटनाशकों की उपस्थिति के अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि इन सभी में इनकी न्यूनतम स्वीकृत मात्रा से काफी अधिक मात्रा पाई गई है। हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किये गये खाद्यान्न के नमूनों का अध्ययन देश के 20 प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं में किया गया। अधिकांश नमूनों में डी.डी.टी., लिण्डेन और मोनोक्रोटोफास जैसे खतरनाक और प्रतिबंधित नीटनाशकों के अंश इनकी न्यूनतम स्वीकृत मात्रा से अधिक मात्रा में पाये गये हैं।

मोदी को इनसे कोई खतरा नहीं

डॉ वेदप्रताप वैदिक

आज के दिन तीन बड़ी खबरें हैं। ये तीनों अलग-अलग दिखाई पड़ रही हैं लेकिन तीनों आपस में एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। पहली खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष कौन बनेगा? दूसरी खबर यह कि देश के लगभग सभी प्रमुख विरोधी दल मिलकर भाजपा-विरोधी मोर्चा खड़ा कर रहे हैं। तीसरी खबर यह कि यदि अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनना पड़ गया तो राजस्थान का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? यदि अशोक गहलोत का बस चलेगा तो सचिन पायलट को वे अपना स्थान क्यों लेने देंगे? जिस व्यक्ति ने उनकी कुर्सी हिलाने के लिए जमीन-आसमान एक कर दिए थे और जिसे मुख्यमंत्री ने निकम्मा तक कह दिया था, उसका मुख्यमंत्री बन जाना गहलोत की इकन्नी हो जाना है। इसका अर्थ यह भी हुआ कि गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का कोई अर्थ नहीं है। जिसे प्रियंका और राहुल जो चाहें, सो बना दें तो फिर आप चाहे प्रधानमंत्री बन जाएं या कांग्रेस अध्यक्ष बन जाएं, आप रबर के ठप्पे से ज्यादा कुछ नहीं होंगे। यों भी गहलोत चाहते थे कि वे मुख्यमंत्री और पार्टी-अध्यक्ष, दोनों बने रहें लेकिन राहुल ने एक व्यक्ति, एक पद का बयान खुले-आम देकर गहलोत की मन्शा पर पानी फेर दिया। वैसे गहलोत की यह इच्छा गलत नहीं थी, क्योंकि जब एक व्यक्ति प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष दोनों बने रह सकता है तो वह मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष क्यों नहीं बना रह सकता है? इसमें शक नहीं कि आज कांग्रेस की जो दुर्दशा है, उसके मूल में बापकमाई का असली मसला है। देश में अपने बाप या माँ के दम पर जो भी नेता बने हैं, उनका अहंकार रावण को भी मात करता है। कांग्रेस का भी असली रोग यही है। गहलोत इस रोग से मुक्त हैं। वे खुद-मुख्तार हैं। जमीनी नेता हैं। विनम्र और मिलनसार हैं। वे नए और पुराने सभी कांग्रेसियों को जोड़ने में सफल हो सकते हैं लेकिन असली सवाल यह है कि प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनी इस कांग्रेस में उनकी हैसियत क्या होगी? यदि उनकी हैसियत सिर्फ एक मुनीम की होगी, मालिक की नहीं तो वे रबर का ठप्पा बनकर रह जाएंगे। कांग्रेस की हालत आज जो है, उससे भी बदतर होती चली जाएगी। जहां तक चौधरी देवीलाल के जन्म दिन पर देश के विपक्षी दलों के एक होने का प्रश्न है, उसके मार्ग में कई रोड़े हैं। पहला तो यह कि विपक्ष का एकछत्र नेता कौन बनेगा? क्या कांग्रेस किसी अन्य को अपना नेता मान लेगी? दूसरा, विपक्ष के पास मुद्दा क्या है? सिर्फ मोदी हटाओ। मोदी ने क्या आपात्काल जैसी कोई भयंकर भूल कर दी है या पिछली कांग्रेस सरकार की तरह वह भ्रष्टाचार में डूब गई है? तीसरा, हमारे विपक्ष के पास नेता तो है ही नहीं।

तेजी से बढ़ेगी हाइट, बस रोजाना दबाएं ये एक्यूप्रेशर प्वाइंट

अगर उम्र के हिसाब से आपकी या फिर आपके बच्चों की हाइट छोटी रह गई है तो यकीनन इसे बढ़ाने के लिए आप काफी मशक्क़तें करते होंगे। यह जरूरी भी है क्योंकि अच्छी हाइट पर्सनालिटी में चार चांद लगाने में मदद जो करती है। इसके लिए आप चाहें तो कुछ एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स दबा सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स बारे में बताते हैं, जिन्हें रोजाना दबाकर तेजी से हाइट बढ़ाई जा सकती है।

क्या है एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स?

शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका संबंध शरीर के विभिन्न भागों से होता है। इन प्वाइंट्स के द्वारा शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे पैरों और हाथों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर दबाव डालकर विभिन्न रोगों का इलाज किया जाता है।

आइब्रो के बीच का हिस्सा दबाएं

हाइट को बढ़ाने के लिए रोजाना आइब्रो के बीच का हिस्सा दबाना फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए आप अपनी आइब्रो के बीचों-बीच कोई भी एक उंगली रखें और उससे माथे पर दबाव बनाएं। इसके बाद इसे सर्कुलेशन मोशन में घुमाएं। आप इसे 10-15 बार दबा सकते हैं। बेहतर परिणाम के लिए दिन में 2 बार इस एक्यूप्रेशर प्वाइंट को दबाएं, इससे आपको कुछ समय के बाद अपनी हाइट में काफी बदलाव नजर आने लगेगा।

हाथ के अंगूठे के नीचे दबाएं

अपनी हाइट बढ़ाने में हाथ के अंगूठे के निचले हिस्से को दबाना काफी प्रभावी है। इसके लिए आप पहले अपने दाएं हाथ को आगे करें और फिर इसके अंगूठे के नीचे के हिससे को बाएं हाथ के अंगूठे से दबाएं। आप इसे 10 बार दबा सकते हैं। इसके बाद दाएं हाथ के अंगूठे से बाएं हाथ के अंगूठे के निचले हिस्से को दबाएं। बेहतर परिणाम के लिए दिन में 2 बार इसका अभ्यास करें।

पैरों के तलवों के बीच से दबाएं

हाइट बढ़ाने के लिए पैरों के तलवों को दबाना भी लाभकारी माना जाता है। इसके लिए पहले अपने दोनों पैरों के तलवों के बीच में दोनों हाथों की कोई दो उंगली रखें और फिर इस प्वाइंट को दबाएं। आप 8-10 बार इस प्वाइंट को दबा सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास से आपका कद तेजी से बढ़ने लगेगा। इसी के साथ इससे आप कई तरह अन्य स्वास्थ्य लाभ भी मिलने लगेंगे।

पिंडलियों को दबाएं

हाइट बढ़ाने के लिए पिंडलियों को दबाना भी फायदेमंद है। इसलिए रोजाना अपनी पिंडलियों को हाथों की मदद से कम से कम 10 बार दबाएं। इससे बेहतर परिणाम पाने के लिए आप पिंडलियों को दिन में दो-तीन बार दबा सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि अगर आपके बच्चे की हाइट छोटी है तो एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स की बजाय उसे बचपन से ही हाइट बढ़ाने के लिए एक अच्छी डाइट दें और कुछ एक्सरसाइज करवाएं।

बिग बॉस 15 को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होस्ट करेंगे करण जौहर

बिग बॉस टीवी का लोकप्रिय शो माना जाता है। बिग बॉस के चौदहवें सीजन के खत्म होने के बाद से प्रशंसक आगामी सीजन की प्रतीक्षा में हैं। हाल में खबर सामने आई थी कि इस बार बिग बॉस 15 के ओटीटी वर्जन को सलमान खान होस्ट नहीं करेंगे। शो को ओटीटी पर होस्ट करने के लिए कई हस्तियों के नाम सुर्खियों में थे। अब खबर है कि बिग बॉस 15 को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करेंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बिग बॉस 15 के डिजिटल वर्जन को करण होस्ट करेंगे। शो को होस्ट करने के लिए सिद्धार्थ शुक्ला, फराह खान और रोहित शेट्टी जैसी हस्तियों के नाम चर्चा में थे। इस शो का प्रसारण स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वूट पर 8 अगस्त से शुरू हो जाएगा। करण शो में सलमान को रिप्लेस करेंगे। कॉफी विद करण के कई सीजन को होस्ट करने के बाद करण इस बार नई भूमिका में दिखेंगे। करण ने बिग बॉस 15 को ओटीटी पर होस्ट करने को लेकर कहा, मैं और मेरी मां बिग बॉस के बहुत बड़े प्रशंसक हैं और इसे एक दिन के लिए भी मिस नहीं करेंगे। एक दर्शक के रूप में यह शो मेरे लिए बेहद मनोरंजक है। दशकों से मैंने शो की मेजबानी का आनंद लिया है और अब बिग बॉस के साथ यह करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि यह उनकी मां का सपना सच होने जैसा है।

करण ने दावा किया है कि बिग बॉस का ओटीटी संस्करण बहुत अधिक सनसनीखेज और नाटकीय होने वाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशा है कि वह दर्शकों और अपने दोस्तों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। एक सूत्र ने कहा, करण बिग बॉस के प्रारूप का आनंद लेते हैं। इस बार का डिजिटल संस्करण युवा दर्शकों को आकर्षित करेगा। करण शो को होस्ट करने के लिए काफी उत्साहित हैं। उन्होंने डेटिंग शो व्हाट द लव को भी होस्ट किया था। पिछले कुछ सालों से बिग बॉस का चेहरा रहे सलमान ने कुछ दिन पहले इस शो के डिजिटल वर्जन का पहला ट्रेलर लॉन्च किया था। इसमें उन्होंने कहा था, बिग बॉस का यह सीजन टेलीविजन से 6 सप्ताह पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। टीवी पर मैं होस्ट करूंगा कलर्स चैनल पर। वूट पर 6 सप्ताह तक प्रसारण होने के बाद कुछ चुनिंदा प्रतिभागियों के साथ यह शो टीवी पर प्रसारित होगा। बिग बॉस का प्रसारण कलर्स चैनल पर होता है। यह लोकप्रिय शो अमेरिकी टीवी रियलिटी शो बिग ब्रदर प्रारूप का अनुसरण करता है। घर के मालिक को बिग बॉस के नाम से जाना जाता है, जिनकी घर में उपस्थिति उनकी आवाज से है। बिग बॉस की सफलता अब 15वें सीजन में कदम रख चुकी है।

केवल खूबसूरत ही नहीं बल्कि मल्टी-टैलेंटेड हैं नायरा बनर्जी

टेलिविजन पर ऐसे बहुत से खूबसूरत चेहरे हैं जिन पर अक्सर लोगों की नजरें ठहर जाती हैं। ऐसे चेहरों में से एक हैं ऐक्ट्रेस नायरा बनर्जी। नायरा बनर्जी बहुत ज्यादा सीरियलों में नजर तो नहीं आई हैं मगर उनकी खूबसूरती के लाखों दीवाने हैं। आइए, दिलकश तस्वीरों के साथ जानते हैं इस खूबसूरत बंगाली नायरा बनर्जी का जन्म मुंबई में 14 मई 1987 को हुआ था। नायरा के पिता एक मैकेनिकल इंजिनियर हैं और भारतीय नौसेना में अधिकारी रह चुके हैं। नायरा की मां वायरॉलजी में रिसर्चर और कॉन्टेंट राइटर रह चुकी हैं।

नायरा केवल खूबसूरत ही नहीं बल्कि मल्टी-टैलेंटेड हैं। नायरा ने मुंबई के एक लॉ कॉलेज से डिग्री ली है। नायरा ने अपनी मां से हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक की ट्रेनिंग ली है। नायरा ने कथक डांस भी सीखा है। नायरा ने साल 2009 में तेलुगू फिल्म 'आ ओक्कुडू' से ऐक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद नायरा ने लगातार 3 और तेलुगू फिल्मों में काम किया। फिर नायरा ने हिंदी इंडस्ट्री की तरफ थोड़ा ध्यान दिया। नायरा ने साल 2012 में हिंदी फिल्म 'कमाल धमाल मालामाल' से बॉलिवुड में डेब्यू किया। हालांकि नायरा ज्यादा फिल्मों में टिक नहीं पाईं और उन्होंने अभी तक 'इश्क ने क्रेजी किया रे' और 'वन नाइट स्टैंड' जैसी फिल्मों में ही काम किया है। नायरा ने फिल्म 'अजहर' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया था। नायरा भले ही बॉलिवुड में अभी तक अपने पैर न जमा पाई हों मगर साउथ की इंडस्ट्री में उनका खूब नाम है। नायरा 15 से ज्यादा साउथ की फिल्मों में काम किया है जिनमें केवल तेलुगू ही नहीं बल्कि कन्नड़, तमिल और मलयालम फिल्में भी शामिल हैं। नायरा ने हिंदी टेलिविजन का जैसे ही रुख किया वैसे ही वह लोगों की नजरों में आ गईं। नायरा ने सीरियल 'दिव्य दृष्टि' से हिंदी टीवी में कदम रखा। इसके बाद नायरा ने कॉमिडी सीरियल 'एक्सक्यूज मी मैडम' में काम किया जिसमें उनके किरदार को काफी सराहना मिली थी। फिल्मों और टीवी के अलावा नायरा ने वेब सीरीज में भी अपने कदम रख दिए हैं। नायरा ने ऑल्ट बालाजी के 'जुबान संभालके' और 'हेलोजी' में काम किया है। इसके अलावा नायरा ने जी5 की सीरीज 'स्काईफायर' में भी काम किया है।

हेलेन के हिंदी रीमेक के लिए तैयार जान्हवी, अगस्त से शुरू कर सकती हैं शूटिंग

पिछले काफी समय से जान्हवी कपूर सुपरहिट मलयालम फिल्म हेलेन के हिंदी रीमेक को लेकर चर्चा में हैं। भले ही अब तक खुद जान्हवी ने अपनी इस फिल्म के बारे में बात ना की हो, लेकिन आए दिन इससे जुड़ीं नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब खबर है कि जान्हवी ने फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए कमर कस ली है। वह अगस्त से शूट शुरू करने वाली हैं। आइए जानते हैं और क्या जानकारी मिली है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया कि महिला केंद्रित फिल्म हेलेन के हिंदी रीमेक की इनडोर शूटिंग अगस्त से शुरू होगी इसके बाद फिल्म की आउटडोर शूटिंग होगी। प्रोडक्शन टीम फिलहाल इसी तैयारी में लगी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा यात्रा प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए

फिल्म की शूटिंग विदेश में करने की योजना रद्द हो गई है। फिल्म भारत में ही शूट होगी। जान्हवी अभिनीत इस फिल्म का नाम मिली हो सकता है।

इस फिल्म को जान्हवी के पिता बोनी कपूर जी स्टूडियो के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। चर्चा है कि जान्हवी ने अपने किरदार के साथ न्याय करने के लिए कड़ी मेहनत की है। अभिनेता मनोज पाहवा इस फिल्म में जान्हवी के पिता की भूमिका निभा सकते हैं। निर्देशक मुथुकुट्टी जेवियर फिल्म के हिंदी रीमेक का निर्देशन कर रहे हैं, जो असल फिल्म के निर्देशक थे। फिल्म में जान्हवी की जोड़ी अभिनेता सनी कौशल के साथ बन सकती है। हेलेन 15 नवंबर, 2019 को रिलीज हुई हिट मलयालम फिल्म है। इसे राष्टीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

भूषण कुमार के साथ एक्शन फिल्म कर सकते हैं शाहिद कपूर

शाहिद कपूर ने जब से फिल्म कबीर सिंह में काम किया है, उनके पास फिल्मों की कमी नहीं है। वो बात अलग है कि अब शाहिद बहुत सूझ-बूझ से कदम बढ़ा रहे हैं। फिल्म जर्सी की रिलीज का इंतजार कर रहे शाहिद ने अब बॉलीवुड के जाने-माने निर्माता भूषण कुमार की एक एक्शन फिल्म साइन कर ली है। शाहिद को फिल्म की कहानी बेहद पसंद आई है। आइए जानते हैं इस बारे में और क्या जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और अमर बुटाला करेंगे। अमर के साथ शाहिद पिछले काफी समय से इस फिल्म पर चर्चा कर रहे थे और अब उन्होंने इसका हिस्सा बनने के लिए रजामंदी दे दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसकी शूटिंग शाहिद इस साल दिसंबर में शुरू करेंगे। फिल्म के पहले शेड्यूल को भारत में शूट किया जाएगा और बचे हुए शेड्यूल की शूटिंग विदेश में होगी। शाहिद जल्द ही बॉलीवुड की मशहूर निर्देशक जोड़ी राज और डीके की वेब सीरीज में नजर आएंगे। उनके इस वेब शो का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन शाहिद इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं क्योंकि इसके जरिए वह डिजिटल जगत में एंट्री कर रहे हैं। उनकी यह सीरीज अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। इन दिनों शाहिद इसी सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। सितंबर में इसकी शूटिंग पूरी करने के बाद वह फिल्म जर्सी का प्रमोशन शुरू करेंगे। शाहिद पिछले काफी समय फिल्म महाभारत को लेकर भी सुर्खियों में हैं। सूत्रों के मुताबिक अगले साल इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

हॉट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आई राइमा सेन

अभिनेत्री राइमा सेन अक्सर अपने स्टाइल और फैशन को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। उनका फैशन लोगों का ध्यान अपनी तरफ खीचता है। अब एक बार फिर से राइमा सेन अपने फैशन और स्टाइल की वजह से चर्चा में आई है। राइमा सेन अपने फैशन सेंस की वजह से चर्चा में आई हैं। अभिनेत्री राइमा सेन ने एक हाल ही में एक ताजा फोटो शूट करवाया है। जिसमें उनका काफी बोल्ड और हॉट अवतार दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर जैसे ही राइमा सेन के फोटोशूट की तस्वीरें सामने आई वैसे ही वायरल हो होने लगी। अभिनेत्री राइमा सेन ने हाल ही में फोटोशूट करवाया है। जिसमे वो बिना टॉप और टी-शर्ट के सिर्फ डेनिम जैकेट में पोज देते हुए नजर आ रही हैं। राइमा सेन की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि उन्होंने सिर्फ डेनिम जैकेट में दिखाई दे रही हैं। सोशल मीडिया पर जैसे ही राइमा सेन की फोटोशूट की हॉट तस्वीरें सामने आई वैसे ही हंगामा मच गया है। तस्वीरों में वो बिना टीशर्ट के सिर्फ डेनिम जैकेट पहने नजर आ रही है। हालांकि इस दौरान उनका लुक काफी हॉट और सेक्सी लग रहा है। राइमा सेन ने अपनी कई सारी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। जिसमे वो अलग अलग अंदाज में पोज देते हुए दिखाई दे रही है। हर तस्वीर एक अलग ही की खूबसूरती दिखाई दे रही है। बीते दिनों उन्हें एक नेटेट टॉप में बिना किसी पैंट और शार्ट के तस्वीर शेयर की थी। कई लोगों ने उनके लुक की जमकर तारीफ की थी। बता दें ये पहली बार नहीं है इससे पहले भी राइमा सेन अपने बोल्ड फोटोशूट और अवतार के लिए चर्चा में आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वो एक्टिव रहती है और अपनी तस्वीरें शेयर कर सुर्खियों में आती है।

नाभि में जलन और दर्द को न समझें सामान्य समस्याएं, इन घरेलू उपायों से पाएं राहत

अगर आपको कभी भी अचानक से नाभि में जलन और दर्द की समस्या होने लगे है तो इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इसके कारण आपको उठने-बैठने में काफी दिक्कत हो सकती है। यह पेट में इंफेक्शन के प्रभाव और कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप नाभि में होने वाली जलन और दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

नारियल के तेल का करें इस्तेमाल

नारियल का तेल एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण के साथ-साथ सूदिंग इफेक्ट से युक्त होता है, जो नाभि की जलन और दर्द को दूर करने में सक्षम हैं। समस्या से राहत पाने के लिए बस आप नारियल के तेल को उंगली की मदद से अपनी नाभि पर लगाकर छोड़ दें ताकि वह अच्छे से त्वचा अब्जॉर्ब हो जाए। आप इस घरेलू नुस्खे को दिन में कई बार दोहरा सकते हैं।

अजवाइन का करें सेवन

कई बार गैस, अपच या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं के कारण भी नाभि में जलन और दर्द हो सकता है और इसे दूर करने के लिए आप अजवाइन का सेवन कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए आधी चम्मच से थोड़ी कम अजवाइन में थोड़ा काला नमक मिलाएं और फिर गुनगुने पानी के साथ इस मिश्रण की फंकी मारें। इस नुस्खे से आपको काफी जल्दी आराम मिलेगा।

सरसों के तेल से करें मालिश

जब भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो तो इससे राहत पाने के लिए आप सरसों के तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। राहत के लिए सरसों के तेल की कुछ बूंदें नाभि में डालें। ऐसा तीन से चार दिनों तक करें। सरसों के तेल में कुछ ऐसे विशेष गुण मौजूद होते हैं, जो नाभि में होने वाली जलन और दर्द को जल्द दूर करने में सहायक है।

हींग भी है प्रभावी

पेट में गैस बनने की वजह से भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो सकती हैं। पेट में गैस की समस्या दूर करने के लिए हींग का इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है। समस्या से राहत के लिए पहले एक चुटकी हींग को आधी चम्मच गुनगुने पानी में घोल लें और फिर इसे नाभि में डालकर छोड़ दें। यकीनन इस घरेलू नुस्खे से आपको काफी आराम मिलेगा।

फिल्म 'आदिपुरुष' में किरदार के साथ जिम्मेदारी का अहसास भी: कृति सेनन

अभिनेत्री कृति सेनन ने कहा कि उन्हें 'आदिपुरुष' में देवी सीता का किरदार निभाने के साथ आने वाली जिम्मेदारियों का एहसास है और इस बात से टीम भी भलीभांति परिचित है। ओम राउत के निर्देशन में बन रही यह फिल्म हिंदू महाकाव्य 'रामायण' पर आधारित है और इसमें प्रभास भगवान राम और सैफ अली खान लंकेश की भूमिका में नजर आएंगे। लंबे समय से इस प्रकार के संवेदनशील मुद्दों को लेकर कई कलाकारों को सोशल मीडिया पर ऑनलाइन आलोचना का शिकार होना पड़ा है क्योंकि दर्शक उन पर उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगा रहे थे। इसी के चलते अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी बम' का नाम बदलकर 'लक्ष्मी' किया गया और वेब सीरिज 'तांडव' का एक दृश्य भी विवाद के घेरे में था। 'आदिपुरुष' के कलाकार सैफ अली खान ने भी इस फिल्म पर की गई एक टिप्पणी पर एक साक्षात्कार में माफी मांगी। सेनन ने कहा कि टीम को 'आदिपुरुष' की कहानी को संवेदनशीलता के साथ दिखाने का महत्व पता है। सेनन ने बताया, निश्चित तौर पर हमें एक दायरे के भीतर रहना होगा और हम जो किरदार अदा कर रहे हैं, उसकी जिम्मेदारी को महसूस करना होगा। सौभाग्य से मैं एक शानदार निर्देशक के हाथों में हूं, जिन्होंने इस विषय और सभी किरदारों पर खूब जानकारियां जुटाई हैं। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की 'टी-सीरिज' कर रही है और इसकी शूटिंग इस साल की शुरुआत में शुरू हुई।

भाग्यवान घरों में होता हैं बेटियों का जन्म - रामनरेश शर्मा सरपंच बरबाई

केशब प्रसाद शर्मा पुष्पांजली टुडे

अम्बाह । बरबाई अम्बाह...सरपंच रामनरेश शर्मा ने कहा कई जन्मों के भाग्य उदित होने पर ही बड़े भाग्यशाली माता-पिता के घर बेटियों का जन्म होता हैं। बेटियों का जन्म होने पर माता-पिता के कई जन्मों के मोक्ष के मार्ग तय हो जाते हैं। बेटियां अपने माता-पिता के साथ ससुराल कुल को भी मनुष्य भवसागर से तारने का काम करती है। जिन माता-पिता के घर बेटियां नहीं होती है वह गरीब परिवार की बेटियों का कन्यादान कर यह पुण्य प्राप्त करना चाहिये। जीवन का सबसे बड़ा धर्म पुण्य कन्यादान का हैं। बेटियों की शादी करना तो हर माता-पिता का फर्ज होता है लेकिन किसी गरीब परिवार के बेटी की शादी करना सबसे ऊंचा पुण्य कहलाता है। यह बात सरपंच बरबाई रामनरेश शर्मा ने कही। उन्हौने आज बेटी दिबस पर अपनी पचायत के मजरा गोहदूपुरा में बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अपने घर आंगन को कोई भी माता-पिता कुंवारा नहीं रहने दें। अपनी बेटी नहीं हो तो गरीब के घर की बेटी खुशी के साथ कन्यादान करें। बेटियां ही माता-पिता के जीवन भर का स्वाभिमान होती है। बेटियों के कारण ही माता-पिता अपना पूर्ण

जीवन गर्व से जीते हैं। आज कलयुग में कुछ लोग बेटियों को बहकाकर गलत राह पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे कलयुगी इंसानों से बेटियों को सदैव बचना चाहिए। बेटी कोई गलत कदम उठाती है तो मां-बाप के लिए जीवन जीना भी बड़ा मुश्किल होता है श्री शर्मा ने कहा हर साल सितंबर का चौथा रविवार बेटी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस साल 2022 में यह दिन 25 सितंबर को मनाया जा रहा है।आज से कुछ साल पहले हमारे भारत देश में लड़कियों की क्या दशा थी यह तो आप सभी जानते ही हैं। भारत में आज से कुछ वर्षों पहले के लिंगानुपात की बात करें तो लड़कों की तुलना में लड़कियों की संख्या बहुत कम थी और गर्भ में बेटियों को मारने का चलन चल पड़ा था। लेकिन आज समय बिल्कुल बदल गया है आज लोग बेटियों को भी उतना मान देते हैं जितना मान वह अपने बेटों के लिए चाहते हैं। आज बेटियां चांद तक पहुंच गई हैं कोई भी क्षेत्र हो बेटियों ने अपना दमखम दिखा दिया है और बता दिया है कि वे किसी से कम नही है। और आज उन्ही बेटियों को प्यार जताने का दिन है जिसे राष्ट्रीय बेटी दिवस

के रूप मे मनाया जाता है और यह दिन खासकर बेटियों के लिए होता है।बेटी है तो संसार है। बेटी बचेगी तो सृष्टि बचेगी। बेटी घर की रौनक है। परिवार और समाज की रौनक है।भारत में बेटी दिवस मनाने की एक और वजह यह है कि बेटी के लिए लोगों को जागरुक करना बेटी को ना पढ़ाना, उन्हें जन्म से पहले मारना, घरेलू हिंसा, दहेज और दुष्कर्म से बेटियों को बचाने के लिए भारतीयों को जागरुक करना उन्हें यह समझाना कि बेटियां बोझ नहीं होती, बल्कि आपके घर का एक अहम हिस्सा होती हैं। खिलती हुई कलियां है बेटियां,मां बाप का दर्द समझती है बेटियां, घर को रोशन करती है बेटियां, लड़के आज हैं तो आने वाला कल है बेटियां

ग्राम पंचायत नंदनवारा में सफाई अभियान शुरू किया गया

संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार पुष्पांजली टुडे

टीकमगढ़। राज्य शासन के निर्देशानुसार 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2022 तक आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत ग्राम पंचायत नंदनवारा में साफ-सफाई तथा स्वच्छता अभियान आयोजित किया जा रहा है इस अभियान को लेकर कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता अभियान में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनायें ताकि हमारा ग्राम जनपद जिला प्रदेश में स्वच्छता अभियान सफल हो इसी क्रम में जतारा जनपद की ग्राम पंचायत नंदनवारा में सरपंच विनोद राय एवं सामाजिक कार्यकर्ता विवेक अहिरवार के द्वारा ग्राम में गंदी नालियों की सफाई कराई जा रही है जिसका उद्देश्य है की ग्राम पंचायत में स्वच्छता साफ सफाई हो सके ताकि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती स्वच्छ वातावरण में मनाई जा सके सरपंच विनोद का कहना है की ग्राम पंचायत में स्वच्छ शौचालय उपयोग करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है इस अभियान में गुड्डू अहिरवार सोहना सिंह दांगी राजेंद दांगी हल्के महाराज शुक्ला जी दीपचंद वाल्मीक चतुर प्रजापति ने सहभागिता की

महिला वार्ष्णेय वेलफेयर समिति के द्वारा आश्रम पर कराया गया भोजन

सोनू कुमार माथुर ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

एटा श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिवस पर महिला वार्ष्णेय वेलफेयर समिति के द्वारा वृद्ध आश्रम जाकर उनको भोजन कराया गया वृद्ध आश्रम में उपस्थित वृद्ध जनों ने बड़े स्वाद से लजीज व्यंजनों का भोज किया और समिति की महिलाओं को आशीर्वाद दिया , आज अयोजन के मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी वित्त सुनील कुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी थी उन्होंने सभी को वस्त्र व खाद्य समिग्री वितरित की महिला वार्ष्णेय वेलफेयर समिति की अध्यक्षा भावना वार्ष्णेय और महामंत्री सीमा देव वार्ष्णेय ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया उपस्थित एटा नगर पालिका अध्यक्ष मीरा गांधी,महिला मण्डल में कानूनी सलाहकार सीमा वार्ष्णेय, रेखा वार्ष्णेय, राधा वार्ष्णेय, ब्रह्मा देवी, सुनीता वार्ष्णेय, रीना वार्ष्णेय, राजेश्वरी, साधना देव, गीतू वार्ष्णेय, आदि वार्ष्णेय वेलफेयर समिति की सदस्य मौजूद रहीं।

एक शाम नंदी के नाम भजन संध्या का आयोजन में उमड़े श्रंदालु

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सेंणचा

,बेंगलुरूएक शाम नंदी के नाम भव्य जागरण का आयोजन गौ सेवा समिति वरमाऊ रोड़ राममुर्ति नगर की ओर से श्री मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट एवं श्री कृष्णा गौशाला दोडगुब्बी में गौ रक्षक स्वामी पुखराज महाराज के सानिध्य में शनिवार रात्रि आठ बजे श्री आईमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई । उसके बाद भजन गायक सुर लहरी लेहरूदास वैष्णव,कैलाश पंवार राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुति देकर धर्मसभा को भक्तिमय बनाया ।भजन संध्या की अनुरूप कार्यक्रम के स्थल पर श्रंदालुओं ने प्रसादी ग्रहण किया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सुरेश सेंणचा,गौ रक्षक जितेंद्र जैन भजन गायक लेहरू दास एवं लाभार्थीयों का स्वामी पुखराज महाराज की ओर से मौमेटों शॉल द्वारा सम्मान किया गया । स्वामी पुखराज महाराज ने बताया की इस भजन संध्या मे जो राशि आएगी उस राशि का उपयोग राजस्थान में लम्पी ग्रसित गायों को दवाई के लिए शिविर में खर्च किया जाएगा । और इस कार्यक्रम में जमा होने वाली राशि का उपयोग बच्चों के खेल मैदान बनाने के कार्य में खर्च की जाएगी। मंच का संचालन मोहन सीरवी ने किया । इस अवसर पर संत रामाज्ञादास, पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि ओमजी महाराज, विशम्बरगिरी महाराज, गौ सेवा समिति वरमाऊ रोड़ के कार्यकर्ता एवं भक्त मंडल के सभी सदस्य एवं सर्व समाज 36 कॉम के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शान्ति समिति की बैठक का किया गया आयोजन आगामी त्योहारों को लेकर

अरुण कुशवाह रिपोटर पुष्पांजली टुडे

कोलारस। पुलिस थाना परिसर पर आज शांति समिति की बैठक हुई सम्पन्न

कोलारस पुलिस थाना मुख्यालय पर आज कोलारस नगर के गणमान्य नागरिकों सहित प्रशासन ने एक शांति समिति की बैठक का आयोजन किया इस बैठक में आगामी तीज त्योहारों पर आमजन शांति सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं तथा नगर का वातावरण शांतिपूर्ण बना रहे इस बात पर जोर दिया तथा साथ में कोलारस नगर में हो रही चोरी की घटनायो पर लोगों को सतर्क रहने और पुलिस की मदद करने का भी पुलिस प्रशासन में सहयोग मांगा इस बैठक में कोलारस ह्यस्त्रश्श्न विजय कुमार यादव तहसीलदार महेंद्र कथूरिया थाना प्रभारी.मनीष कुमार शर्मा सीएमओ महेश चंद्र जाटव एवं थाना स्टाफ और पत्रकार बन्धु नगर के गणमान्य नागरिक लोग उपस्थित हुए

मंत्री सिंधिया और प्रमुख सचिव के आश्वासन के बाद पॉलीटेक्निक अतिथि लौटेंगे काम पर

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- संघ के प्रदेश सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि तकनीकी शिक्षा मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया और प्रमुख सचिव के सहानुभूति पूर्वक आश्वासन के पश्चात संघ द्वारा आयोजित ÷7 दिवसीय कलम बंद हड़ताल÷ को दि. 23.09.2022 को आमंत्रित प्रतिनिधि मंडल के मुलाकात के दौरान नीचे लिखी निम्न मांगो के निराकरण के आश्वासन से संतुष्ट होकर दिनांक 24.09.2022 को प्रदेश कोर कमेटी की सहमति से तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जा रहा है। और दिनांक 26 सितंबर को सभी अतिथि व्याख्याता अपने कार्य पर लौटेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पस्टारिया ने बताया कि माननीय मंत्री जी और प्रमुख सचिव द्वारा भविष्य सुरक्षा को ध्यान में रखकर मांगो पर कार्यवाही करने स्वतः ही संज्ञान लेने पर समस्त पॉलीटेक्निक और इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है। और कहा यदि तय सीमा में अतिथि व्याख्याताओं की मांग पूरी नही हुई तो पुनः अनिश्चित कालीन कलमबंद हड़ताल पुनः शुरू की जावेगी।

मुख्य मांग बिंदू इस प्रकार हैः-

कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को फिक्स मानदेय रू. 30000/- प्रतिमाह देने की प्रक्रिया पूर्ण नही होती, तब तक पोर्टल के माध्यम से नवीन अतिथि व्याख्याता भर्ती पर रोक लगाई जावे। कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं की जानकारी कॉलेजबार नाम, ब्रांच, जन्मतिथि इत्यादि को पोर्टल पर 7 दिवस में दर्शाया जावे।

विभाग द्वारा पॉलीटेक्निक अतिथि व्याख्याताओं की फिक्स मानदेय ड्राफ्टिंग कमेटी में संघ की कार्यकारिणी के कम से कम 2 सदस्यों को सम्मलित किया जावे

संस्था प्राचार्यों को आदेशित किया जावे कि कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं के कलम बंद हड़ताल से वापिस आने पर पूर्वानुसार शैक्षणिक कार्य आवंटित किया जावे।

जिन कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्ति- आदेश जारी नहीं हुए है, प्राचार्य द्वारा नियुक्ति आदेश जारी किए जावे। साथ ही वर्तमान शैक्षणिक सत्र में मानदेय भूगतान हेतु स्पष्ट दिशा - निर्देश जारी किए जावे।

कलमबंद हड़ताल के दौरान हड़ताल पर गए अतिथि व्याख्याताओं को मानदेय भुगतान किया जावे। कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं की फिक्समानदेय की अविलंब प्रशासनिक कार्यवाही अविरोध और निरंतरता पूर्वक 10 सूत्रीय मांगों सहित एक माह में पूर्ण की जावे।

नवरात्र पर्व पर भव्य सजा वारी स्थित पांढरीपाठ देवी मंदिर

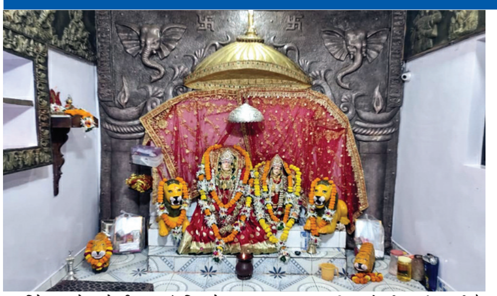

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट शारदेय् नवरात्र प्रारंभ होते ही माता रानी के दरबार भव्य रूप में सजने लगे हैं। वहीं आज से माता रानी की प्रतिमाएं एवं कलश स्थापित किया जावेगा जो कि पूजा पाठ 5 अक्टूबर तक चलेगा। इस पर्व को मनाने को लेकर भक्तों द्वारा तैयारियां की जा रही है, जो कि अंतिम दौर में है। मंदिरों में जहां साज-सज्जा कर ज्योति कलशों की स्थापना की जा रही है,वहीं दूसरी ओर माता रानी की प्रतिमा स्थापना को लेकर पंडालों में आकर्षक साज-सज्जा कर विद्युत रोशनी लगाई जा रही है। नवधा भक्ति के इस पर्व में भक्तों द्वारा माता के विविध रूपों की पूजा अर्चना कर अनुष्ठान भी किए जाते हैं। भक्तों द्वारा प्रार्थना की जाती है कि माता रानी की कृपा से सभी भक्तों का कल्याण हो।

पांडरीपाठ में हो रही भव्य तैयारी

वारी खराड़ी जलाशय के समीप प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित पांढरी पाठ मंदिर वारी में शारदेय नवरात्र पर्व मनाने भव्य तैयारियां की जा रही है बता दें कि क्षेत्र में सर्वाधिक मनोकामना ज्योति कलश यहां स्थापित किए जाते हैं। इस नवरात्र में लगभग 2100 ज्योति कलशों की स्थापना भक्तों द्वारा की जाएगी। यहां की गौशाला में आकर्षक गौ माता देख कर ही लोग बरबस निहारते रहते हैं। यहां के गाय व उनके बछड़ों का नाम देवी देवताओं के नाम पर रखा गया है, जिन्हें उस नाम से पुकारते ही उस ओर निहारने लगती है। मंदिर समिति के पण्डा रेखलाल कावरे व संरक्षक सुधीर दशरिया ने आने वाले भक्तों से अपील की है कि मंदिर के नियमों का पालन करें। वहीं मंदिर परिसर में स्थापित वन्य प्राणियों की प्रतिमाएं देखते बनती है।

मंदिरों में होगी ज्योति कलशो की स्थापना

शारदेय नवरात्र पर्व के चलते नगर के मां लंजकाई मंदिर, मां काली मंदिर, मां त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर के अलावा माता घाट, भाडरासुर, भुरसाडोंगरी माता मंदिर, भानेगांव, मां दुर्गा मंदिर साड़रा,बहेला एवं अन्य शक्ति स्थलों में ज्योति कलशों की स्थापना को लेकर तैयारियां की जा रही है।

छत्रसाल महाविद्यालय में मना राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

रिपोर्टर- महेंद्र सिंह रजक

पिछोरशासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर जिला शिवपुरी में राष्ट्रीय सेवा योजना का 53 वा स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसएस गौतम उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा आज देश में युवाओं की बड़ी भूमिका है युवा ही देश का भविष्य है और वर्तमान को सवारने में अपनी भूमिका निभाएं युवा समाज में एवं राष्ट्र प्रगति में सर्वाधिक भूमिका निभाते हैं आज देश की हर समस्या का निदान युवाओं के माध्यम से हो सकता है। युवा शिक्षा ग्रहण करने के साथ स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा करने का संकल्प लें जिससे उनका व्यक्तित्व और चारित्रिक विकास भी हो सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ केशव सिंह जाटव ने की उन्होंने भी अपने अध्यक्षीय आशीर्वचन में छात्रों को समर्पित भाव से काम करने का आव्हान किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे प्रोफेसर नरसिंह भिड़े डॉक्टर भावना भटनागर कार्यक्रम का संचालन किया डॉक्टर कमल किशोर यादव ने एवं अतिथियों का स्वागत किया सिनियन स्वयंसेवक दीपक पाल ने। साथ ही छात्र दीपक पाल को अतिथियों ने बी प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया।

नवरात्रि, दशहरा, मिलाद-उन-नबी एवं बाल्मीकि जयंती शांतिपूर्वक मनायें-कलेक्टर

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने ली जिला शांति समिति की बैठक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में नवरात्रि, दशहरा, मिलाद-उन-नबी, एवं बाल्मीकि जयंती को दृष्टिगत रखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिला शांति समिति की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि त्यौहार आपसी भाईचारे एवं शांतिपूर्वक मनायें। बैठक में अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे, तहसीलदार भिण्ड श्रीमती ममता शाक्य, अधीक्षण यंत्री एमपीईबी अशोक शर्मा, शोभित अग्रवाल चेयरमैन रेड क्रॉस सोसायटी भिण्ड,काजी तनवीर, काजी रिजवान,काजी इरफान नवी, वीरेन्द्र कुमार शर्मा, अशोक अहमद, डॉ राधेश्याम शर्मा, श्री श्यामसुन्दर यादव, जगदीश प्रसाद दीक्षित, अनुज सिंह चैहान सहित अन्य समाजसेवी, पुलिस अधिकारी, होमगार्ड एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चैहान ने कहा कि डिडी क्वारी नदी एवं परा क्वारी नदी पर मूर्तियों का विसर्जन होगा। वहां लाईट की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए वहां पर एनडीआरएफ और होमगार्ड की टीम तैनात रहें। उन्होंने मूर्ति विसर्जन के दौरान नदियों के पास गोताखोर उपलब्ध रहें जिससे अप्रिय घटना होती है तो उसका बचाव किया जा सके। मूर्ति विसर्जन के दौरान बेरीकेट्स की व्यवस्था की जाए। तहसीलदार भिण्ड को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि विसर्जन स्थान पर सचिव, रोजगार सहायक की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने कहा कि पंचायतों के माध्यम से व्यवस्था कराएं। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बैठक में कहा कि शहर में निकलने वाले जुलूस के दौरान किसी भी घटना से बचने के लिए जहां विद्युत के तार नीचे हैं उनको ठीक कराने के निर्देश अधीक्षक यंत्री एमपीईबी को दिए। उन्होंने कहा कि पण्डाल के आसपास जहां मूर्ति की स्थापना की जाएगी वहां साफ-सफाई की व्यवस्था रखी जाए। पण्डाल में विद्युत कनेक्शन लेकर लाईट जलाई जाएं साथ ही जहां मूर्ति स्थापित हो वहां पर दो व्यक्ति 24 घण्टे मौजूद रहें। दशहरा के दिन रावण के दहन के दौरान पूरी सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए। जहां रावण का दहन हो वहां पर बिजली के तार न हों इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। उपरोक्त निर्देश संबंधित अधिकारियों को कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बैठक के दौरान दिए। बैठक में उपस्थित समाजसेवियों ने अपने अपने सुझाव दिए। कलेक्टर एवं एसपी ने सुझावों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

दतिया ग्राम महाराजपुरा में गृहमंत्री डॉ नरोत्तम वं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरू दांगी का भव्य स्वागत

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे

दतिया। तीन दिवसीय प्रवास पर दतिया पहुंचे मध्य प्रदेश गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का रविवार को महाराजपुरा भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मंगल यादव के नेतृत्व में मंगल यादव फार्म हाउस पर गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा एवं ज़िला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरू दांगी का पुष्प वर्षा कर और फलों से तुला दान कर ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया और शाल, श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।इसी क्रम में भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मंगल यादव और भाजपा युवा नेता टैलो यादव ने वृद्धजनों का शाल पुष्प हार पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान भाजपा युवा नेता टैलो यादव, भान सिंह यादव, सत्येंद्र, नवल सुनील विकास गुप्ता, सतीश गुप्ता, कुलदीप यादव, रवि गौतम, कुंवर सिंह यादव, गजेंद्र, गगन, जगराम, जीतेंद्र, राज, अरविंद, देवेश, विक्रम दांगी, आनंद, बंटी, नेतराम, लला, बिल्लू यादव, बंटी कमरिया, जय राम परिहार, पंजाब सिंह पटेल, बालन, सुमित ,राहुल ,दीपक, जीतू कमरिया,अजय, जीतू दांगी, सतीश यादव, लव कुश, धर्मेंद्र, मोहित, श्री लाल अहिरवार, अंशुल, शरद, कल्लू, भगवान सिंह गुर्जर, बल्लू दांगी, अनिल महराज, प्रवेश दांगी, रामबाबू कुशवाहा , चावला सिजरिया, शिवम अनिल रावत अमन यादव अभिषेक यादव आदि मौजूद रहे

स्वच्छ भारत अभियान की नगर परिषद मधुसुदनगढ़ द्वारा उड़ाई जा रही धज्जियां

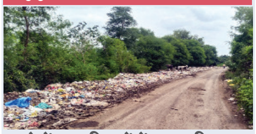

खुल्ले में डाला किश्तों में इकट्ठा किया हुआ कचरा!

रिपोर्टर प्रतिश अग्रवाल पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़ नगर परिषद द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत पूरे शहर से कचरा इकट्ठा करके भोपाल रोड मुख्य बायपास पर खुल्ले में डाला जा रहा हैं स्वच्छ भारत अभियान में ऐसा तो है नही की नगर में सफाई और नगर के बाहर गंदगी की जाए लेकिन यह बात नगर परिषद के समझ नही आ रही है जहां कचरा डाला जा रहा है उसके पास में पेट्रोल पंप और लोगो का रहवास भी है उस गंदगी से खतरनाक मच्छर और बदबू से लोग हो रहे है बीमार नगर परिषद के पास कचरा निपटान की कोई योजना नहीं है जिसके वजह से आवरा पशु को भी हो रही है बीमारियां एवम लोकल की जनता तो परेशान है ही और बायपास होने की वजह से जो लोगो शहर से न होकर बायपास से जाते हैं उनको भी करना पड़ रहा है मुश्किलों का सामना।

पुनीत सागर अभियान के दौरान एनसीसी के छात्रो ने चम्बल किनारे अभियान चलाकर साफ सफाई की...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह... पुनीत सागर अभियान के तहत विश्व नदी दिवस के उपलक्ष्य में आज दिनांक 25.09.2022 को 30 म.प्र के कमान अधिकार कर्नल जगदीश कुमार के निर्देशन में एम.एल.डी. उ.मा. विद्यालय के एन. सी. सी. कैडिटों ने श्री श्री 108 माखन दास जी महाराज (किसरोली धाम) चम्बल नदी घाट पर साफ सफाई की नदी घाट से पॉलीथिन प्लास्टिक एवं अन्य कचरा विद्यालय वाहन द्वारा लाकर नगर पालिका को सुपुर्त किया इस कार्यक्रम में श्री राकेश कुमार पचौरी (ए. एन.ओ.),श्री कमल सिंह तोमर (शिक्षक),अभिषेक शर्मा(शिक्षक) एवं लगबग 22 कैडिटों ने भाग लिया...

इक तेरा कदम, इक मेरा कदम, मिल जाए तो जुड़ जाए अपना वतन शहर कांग्रेस अध्यक्ष -मोहित अग्रवाल

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी-कन्याकुमारी से कश्मीर तक चलने वाली कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी की अगुवाई में विशाल रूप ले चुकी है तो वही यह पदयात्रा अगले 5 महीने तक चलेगी लेकिन अब शिवपुरी में भी इसकी तैयारी लगवाग पूरी हो चुकी है बताया जा रहा है इस रैली को सफल बनाने का काम जिला कांग्रेस और शहर कांग्रेस के संग सभी पद अधिकारी कर रहे है इसी क्रमांक में शिवपुरी शहर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने बताया कि ये यात्रा बहुत कस है ताकि जिस तरीके से देश के अंदर जातिवाद का जहर गोला जा रहा है उसको जड़ से नष्ट करने की यात्रा राहुल गांधी जी द्वारा निकाली जा रही हैं ताकि देश के बाहर और देश के भीतर सभी वर्ग के लोग भाई चारे के साथ एक होकर देश की उन्नति देश के विकास के लिए कार्य करें जैसा कि हाल ही में देखने को आया है देश के लोग महंगाई की मार तो झेल रहे थे अब हिंदू मुस्लिम के साथ साथ जातिवाद की मार झेल रहे है महिलाएं सुरक्षित नहीं है वहीं देश का युवा बेरोजगार है देश में नफरत और बंटवारे की राजनीति चरम पर है

और जनता हर प्रदेश में भ्रष्टाचार की मार झेल रहीं है शिवपुरी में होने जा रही इस यात्रा की तैयारी को लेकर शहर कांग्रेस मोहित अग्रवाल ने बताया कि ये यात्रा कल 26 तारीक को शिवपुरी गुना कितनी नाके से प्रारंभ होकर झांसी तिराहा गुरुद्वारा माधव चौक कमला गंज से लेकर वार्ड क्रमांक 36 आदिवासी मोहल्ले पर समाप्त होगी जिसमें हजारों की संख्या में जनता जनार्दन के साथ-साथ युवा एवं कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता सम्मिलित होंगे यह यात्रा पैदल चलकर राहुल गांधी जी के संदेश को

जन जन तक पहुंचाएगी साथ ही उन्होंने सभी शिवपुरी वासी से अनुरोध किया की वे शहर में भाई चारा बनाए रखे और अन्याय के ख़िलाफ़ भेदभाव के खिलाफ खड़े और जुल्म के ख़िलाफ़ एकजुट हो जाए ।

ग्राम बूढौन करैरा में विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- अनुविभाग पिछोर के ग्राम बूढौन करैरा में विधिक साक्षरता शिविर एवं मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान एवं समझौता समाधान शिविर एवं विधिक साक्षरता शिविर ग्राम में आयोजित किया गया। इस शिविर में सभी ग्राम वासियों को निशुल्क खसरा की नकल वितरित की गई।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री आर.एम.भगवती के समक्ष भरत गुर्जर और राजकिशोर दोनों पुरानी रंजिश को लेकर चली आ रही लड़ाई का भी राजीनामा पेश किया गया जिसका सम्मान सभी ग्राम वासियों ने ताली बजाकर किया। एसडीएम बृजेंद्र सिंह यादव एवं तहसीलदार अखिलेश शर्मा के राजस्व दल द्वारा प्राप्त नामांतरण नावालिग हटाने के आवेदनों को प्राप्त कर मौके पर ही आदेश पारित कर कंप्यूटर में अमल कराया गया। ग्राम की प्रमुख समस्या ग्राम में पक्की सड़क ना होना एवं स्कूल में शिक्षकों का समय से ना वाले शिक्षकों को समझा ही दी गई और सड़क के संबंध में 2 महीने में एस्टीमेट बनाकर काम चालू करने का आश्वासन दिया गया आसपास के सभी ग्राम वासियों ने शिविर का लाभ लिया। एडीजे द्वारा पुलिस को समझाइस दी की कोशिश करें कि प्रकरणो को ज्यादा से ज्यादा समझोते व आपसी समझोते से निवटाया करे व छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा ना करें। कोई भी समस्या हो तो पंचायत के माध्यम से निराकरण करें। ग्राम बूढोन में 2004 एक भी पुलिस केस दर्ज नहीं था 2004 की तरह ही दिसंबर 2022 तक ग्राम में एक भी प्रकरण राजस्व विभाग या थाने न्यायालय का नहीं होगा। इसके लिए शासन प्रशासन एवं जनता से सहयोग की अपील की। शिविर में सीईओ पुष्पेंद्र व्यास, खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ हेमंत ओझा, सीडीपीओ अरविंद्र तिवारी, थाना प्रभारी गब्बर सिंह गुर्जर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उषा सीरवी का राजस्थान के रणजी केम्प व टी20 चैलेंजर के लिए चयन

सिरवी इंडिया परिवार संपूर्ण भारत समाज का नाम किया रोशन

पुष्पांजलि टुडे। पाली राजस्थान

पाली। पाली जिले के पहली बार सात खिलाड़ियों का एक साथ चयन राजस्थान के अंडर19,पूर्व रणजी कैम्प व चैलेंजर के लिए हुआ। पाली जिले के क्रिकेट संघ के सचिव धर्मवीर सिंह शेखावात ने बताया कि पाली जिला क्रिकेट प्रेमियों के लिए बहुत बड़ी खुश खबरी। धर्मवीर सिंह शेखावत क्रिकेट एसोसिएशन को सीरवी समाज की तरफ से बहुत बहुत धन्यवाद व आभार।सीरवी समाज की होनहार प्रतिभा व समाज की प्रथम महिला क्रिकेटर का सीनियर महिला का टी20 चैलेंजर व पूर्व रणजी के लिए चयन होना समाज के लिए बहुत ही हर्ष ओर खुशी का माहौल है, समाज के लिए एक गौरवांवित पल भी है। उषा परिहारिया को इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए सीरवी इंडिया परिवार संपूर्ण भारत। चेत बंदे पत्रिका परिवार/राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति/सीरवी समाज डॉट कॉम व अखिल भारतीय सीरवी समाज की तरफ से बहुत बहुत हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।। आप ऐसे ही आगे बढ़ते रहे व समाज का नाम रोशन करते रहिए।

थाना खनियाधाना पुलिस ने 24 घण्टे के अन्दर किया अंधे कत्ल का खुलाशा

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा थाना हाजा के मर्ग क्रमांक 57/2022 धारा 174 जाफौ. की शीघ्रता से जांच करने हेतु निर्देशित किया गया था उक्त आदेश के पालन मे श्रीमान अति. पुलिस अधीक्षक जिला शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी महोदय पिछोर श्री दीपक तोमर के मार्गदर्शन में निरी. तिमेश छारी थाना प्रभारी थाना खनियाधाना ने टीम गठित कर मर्ग क्रमांक 57/2022 धारा 174 जाफौ. की जांच पर से अपराध धारा 302 ताहि. का पाया जाने से थाना खनियाधाना मे अपराध क्रमांक 531/2022 धारा 302 ताहि. का कायम कर विवेचना मे लिया गया, दौराने विवेचना मृतक रुपसिह कुशबाह पुत्र बृजलाल कुशबाह उम्र 30 साल निवासी ग्राम अमरपुर थाना रक्शा जिला झांसी उ.प्र. जो घटना दिनांक 18.09.2022 को अपनी ससुराल ग्राम देवरी थाना खनियाधाना मे आया था घटना दिनांक 18-19/09.2022 को रात्रि 12.00 बजे के बाद सुबह 6.00 बजे के बीच मृतक के साले (अजय बदला हुआ नाम) ने अपनी भाभी के साथ मृतक रुपसिह द्वारा अबैध सम्बंध बनाते देखने के कारण रुपसिह के सिर मे लाठी से चोट पहुचाकर हत्या करना पाया जाने से आज दिनांक 25.09.2022 को आरोपी (अजय बदला हुआ नाम) को गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त लाठी बरामद की गई।

कमलाराजा में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का 53 वां स्थापना दिवस

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर- 24 सितंबर 2022 को कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर में राष्ट्रीय सेवा योजना के 53 वे स्थापना दिवस के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष व राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व स्वयंसेवक रह चुके सम्माननीय श्री प्रतीक तिवारी जी मौजूद रहे।वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य व ग्वालियर चंबल संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ.एमआर कौशल की अध्यक्षता रही।महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ हरीश अग्रवाल,राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ वीणा शुक्ला,डॉ कृष्णा सिंह,डॉ संगीता सोमवंशी और महाविद्यालय की अंग्रेजी की प्राध्यापक डॉ.सोनिया सिंह की उपस्थिती में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।मुख्यअतिथि श्रीमान प्रतीक तिवारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा शक्ति भारत का भविष्य है व उन्होंने स्वयं के राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व अनुभव को छात्राओं के साथ साझा करते हुए यह बताया कि किस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास में सहायक है और समाज को एक नई दिशा देने का कार्य भी करता है।वह युवाओं में देश सेवा की भावना उत्पन्न करता है।प्राचार्य महोदय एम आर कौशल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अपने उद्बोधन में कहा की राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक में अनुशासन व एकता का भाव देखने को मिलता है तथा वह निरंतर ही सेवा का कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से करते रहते हैं।इस अवसर पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी हुआ जिसमें नवीन पंजीकृत विद्यार्थियों को एनएसएस के प्रतीक चिन्ह,सिद्धांत वाक्य तथा एनएसएस के उद्देश्य,एनएसएस के शिविर की विस्तृत जानकारी दी गई।साथ ही छात्राओं को पूर्ण स्वयं सेविकाओं ने अपने अनुभवों से समाज सेवा और व्यक्तित्व विकास के आधार पर योजना के अधिकारिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया।जिसके पश्चात स्वयं सेविकाओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई जिसके क्रम में सर्वप्रथम सेजल द्वारा सरस्वती पूजन व सरस्वती वंदना की प्रस्तुति की गई कार्यक्रम की अगली कड़ी में अनामिका,आंचल व भानुप्रिया मोहर द्वारा एनएसएस का लक्ष्य गीत गाया गया।जिसके बाद अंकिता,आंचल, खुशबू व ग्रेसी द्वारा स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया गया।इसके पश्चात बेटियों के लिए पढ़ाई के महत्व को बताते हुए आंचल,अंकिता, खुशबू द्वारा समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई।जिसके बाद शालू साहू,आस्था व दीपाली द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किया।इसी क्रम में आगे लवली सेन द्वारा युवाओं को प्रेरित करने वाली एक सराहनीय स्पीच की प्रस्तुति की गई।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कुसुम जाटव व आरती मानची द्वारा राधा कृष्ण का एक नटखट नृत्य प्रस्तुत किया गया।जिसके बाद दिव्या माहौर द्वारा उन्हीं की स्वर लिखित एक कविता वो स्कूल के दिन और व एक नित्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई।इसी क्रम में आगे कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए भानुप्रिया माहौर,अनामिका राठौर,आंचल कुशवाह,वर्षा कटारे और अंकिता द्वारा एक समूह गीत गाया गया।जिसने सभी स्वयंसेवकों मे उत्साह भरने का कार्य किया।जिसके पश्चात भावना मंडेलिया भारतीय संस्कृति को दर्शाते हुए एकल नृत्य किया गया।कार्यक्रम में आगे भानुप्रिया,आंचल कुशवाह,अनामिका और अंकिता द्वारा लांगुरिया मध्यप्रदेश में होने वाला प्रसिद्ध नृत्य की प्रस्तुति की गई।सेजल वर्मा और कमला जाटव द्वारा भारतीय कथक नृत्य की एक सुंदर प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम का मंच संचालन कमला जाटव और शिल्पी श्रीवास द्वारा किया गया।कार्यक्रम का अतिथियों का अभार प्रदर्शन खुशबू शिवहरे द्वारा किया गया।कार्यक्रम में एनएसएस की वरिष्ठ स्वयंसेवक यशी चंद्रा और पूनम पाल व मानवता साहू का सहयोग रहा कार्यक्रम का समापन उत्साह पूर्वक किया गया।

इस बार हाथी पर सवार होकर आ रही हैं माता रानी

आज से शुरू होगा शारदीय नवरात्रि...माता रानी के स्वागत की तैयारियां अंतिम चरण में

धन-शिक्षा की विशेष कृपा के साथ हाथी पर ही लेंगी विदाई

ग्वालियर । नवरात्रि के स्वागत की तैयारियां जोरो पर हैं। शारदीय नवरात्रि सोमवार से शुरू हो रहे है। पंडितों के मुताबिक इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, इसलिए नवरात्रि में पूजा-पाठ श्रेष्ठ परिणाम देगा। वहीं हाथी पर ही उनकी विदाई होगी।

पं. भूपेन्द्र मुदगल शास्त्री के अनुसार, आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवरात्रि प्रारंभ होगा। शुक्र बुधादित्य योग में नवरात्रि आरंभ होंगी। बृहस्पति का केंद्र योग भी बन रहा है।

आपको बता दें कि जिस दिन से नवरात्रि प्रारंभ होता है, उसी दिन माता अपने वाहन पर सवार होकर आती हैं। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही हैं और विदाई भी हाथी पर ही लेंगी। माता अपने भक्तों को एक विशेष संकेत भी देती हैं। 26 सितंबर सोमवार को हस्त नक्षत्र, शुक्ल योग, किंस्तुघ्न करण, कन्या राशि के चंद्रमा की साक्षी में नवरात्रि रहेगी। साथ ही योग विशेष के साथ इस बार माता रानी संतान को शिक्षा और गृहस्थों के लिए धन की प्राप्ति का विशेष अवसर प्रदान कर रही हैं।

इनके लिए मां सरस्वती रहेंगी विशेष फलदायक

जिन गृहस्थों को धन की कमी महसूस होती हो, उन्हें माता लक्ष्मी की उपासना में कनकधारा स्रोत लक्ष्मी स्रोत श्रीसूक्त के पाठ से उपासना करनी चाहिए। बच्चों में शिक्षा का विशिष्ट अनुक्रम स्थापित ना हो पाता हो, तो उनके लिए माता सरस्वती की साधना विशेष फलदायक रहेगी।

कलश स्थापना का शुभकारी समय

कलश स्थापन सोमवार को प्रतिपदा तिथि का आरम्भ सूर्योदय से लगभग ढाई घंटे पहले ही हो जाएगा। उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र और शुक्ल योग में सूर्योदय होगा। सुबह 07 बजकर 03 बजे के बाद हस्त नक्षत्र लगेगा। कलश स्थापना के लिए उत्तरा फाल्गुनी और हस्त दोनों ही नक्षत्र अति उत्तम माने गए हैं। इस प्रकार सुबह 06 बजकर 02 मिनट से लेकर दोपहर बाद तक कलश स्थापना का शुभकारी समय होगा।

चार अक्टूबर को नवमीं

शारदीय नवरात्रि इस वर्ष पूरे नौ दिन की हैं। महा पुण्यदायिनी अष्टमी तिथि सोमवार तीन अक्टूबर को है। इस दिन माता के महागौरी रूप की पूजा की जाती है। मंगलवार 04 अक्टूबर को दिन के 01 बजकर 32 मिनट तक नवमीं रहेगी। इसमें हवन आदि सम्पन्न होंगे। उसके बाद दशमीं शुरू हो जाएगी।

सात दिन रहेंगे अति शुभ

इस वर्ष नवरात्रि के नौ दिन में से सात दिन अत्यंत शुभ और कल्याणकारी रहेंगे। वार तथा नक्षत्र के विशेष संयोजन से कुल 28 प्रकार के योग निर्मित होते हैं। ये अति बलवान योग सोमवार से आरम्भ होने वाली नवरात्रि के दूसरे दिन से शुरू हो रहे हैं। इनमें से कतिपय खास योग अति बलवान होते हैं और उनमें किए गए कार्यों में सफलता, समृद्धि आदि की वर्षा होती है।

गौ हत्या के आरोप में 4 लोग गिरफ्तार

चकरायपुरा गांव में पकाया गया था मांस, दावत की थी तैयारी

ग्वालियर । ग्वालियर में गो हत्या के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि चकरायपुरा गांव में आरोपी गाय का मांस पका रहे थे। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है। गांव में कोई सांप्रदायिक तनाव जैसी स्थिति न बने, इसलिए पुलिस नजर रखे हुए है।

शहर के महाराजपुरा थाना स्थित चकरायपुरा गांव से किसी ने सूचना दी थी कि गांव में सईद खान, मुरादी खान, पप्पू खान और बटूरी खान ने गो हत्या की है। इस पर महाराजपुरा पुलिस ने वरिष्ठ अफसरों को पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस अफसरों ने मामले की गंभीरत को समझते हुए तत्काल बल को रवाना किया। पुलिस ने सूचना देने वाले के बताए नामों वाले व्यक्तियों के घर दबिश दी तो वहां मांस बरामद हुआ है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि मांस गाय का ही था। दो लोगों को स्पॉट से ही पकड़ा गया, जबकि दो लोगों को बाद में पकड़ा गया।

सईद के घर पर हुई थी गो हत्या

जब पुलिस चकरायपुरा गांव पहुंची और आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो पता लगा कि गो हत्या सईद खान के घर पर की गई थी। वहीं पर मांस पकाया गया था। दावत खाने की तैयारी चल रही थी। पर, उसी समय किसी की सूचना पर पुलिस वहां आ गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को दबोच लिया है। गोकशी का मामला दर्ज कर लिया है।

गांव में तनाव, निगरानी कर रही पुलिस

गांव में आरोपियों के परिजन व रिश्तेदार गायब हो गए हैं। पुलिस को आशंका है घटना का पता चलते ही कई संगठन सक्रिय हो सकते हैं। पुलिस ने गांव को निगरानी में ले लिया है। पुलिस अफसर भी पल-पल की निगरानी कर रही है।

पुलिस का कहना

सीएसपी रवि भदौरिया का कहना है कि एक सूचना पर महाराजपुरा के चकरायपुरा गांव में दबिश देकर पुलिस ने गो हत्या के मामले में आरोपियों को हिरासत में लिया है। जांच में जो तथ्य आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की रही है।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2022

ग्वालियर-चंबल संभाग के तीन नगरीय निकायों को नेशनल अवार्ड

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 में प्रदेश में ग्वालियर-चंबल संभाग को सर्वाधिक नेशनल अवार्ड मिले हैं। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के तीन नगरीय निकाय नेशनल अवार्ड के लिये चयनित हुए हैं। दोनों संभागों के तीनों नगरीय निकायों सहित प्रदेश के 11 नगरीय निकायों को जनसंख्या कैटेगिरी में यह अवार्ड मिलने जा रहे हैं। देश की राजधानी नईदिल्ली में एक अक्टूबर को यह अवार्ड प्रदान किए जायेंगे। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बताया कि ग्वालियर संभाग के दतिया जिले की नगर परिषद बड़ोनी व अशोकनगर जिले की नगर परिषद मुँगावली को नेशनल अवार्ड के लिये चयनित किया गया है। इसी तरह चंबल संभाग के भिण्ड जिले की फूफकलां नगर परिषद नेशनल अवार्ड के लिए चयनित हुई है। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने नेशनल अवार्ड के लिये चयनित होने पर ग्वालियर-चंबल संभाग के तीनों नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं नगरीय निकायों के सफाई कर्मचारियों सहित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी है।

पुनीत सागर अभियान : एनसीसी कैडेट्स ने तिघरा जलाशय की साफ-सफाई

रैली निकाली एवं अन्य कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय निवासियों को पेयजल स्त्रोतों की शुद्धता के लिए किया जागरूक

ग्वालियर । पुनीत सागर अभियान के तहत एनसीसी की 3 मध्यप्रदेश नेवल यूनिट के लगभग 125 कैडेट्स ने रविवार को तिघरा बांध के तटीय क्षेत्र एवं आसपास के परिसर में साफ - सफाई की गई। ग्वालियर शहर की पेयजल व्यवस्था के सबसे बड़े स्त्रोत तिघरा बांध के पानी को साफ रखने एवं जन-जन को जल संरचनायें स्वच्छ रखने का संदेश देने के उद्देश्य से एनसीसी कैडेट्स द्वारा यह सामूहिक सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता रैली भी निकाली गई।

इस दौरान नेवल यूनिट एनसीसी के कैडिटों द्वारा तिघरा बांध के आसपास के निवासियों को दूषित जल से होने वाली समस्याओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही बांध के आसपास सदा स्वच्छता बनाये रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। स्थानीय निवासियों को समझाया गया कि दूषित पानी पीने से विभिन्न प्रकार की मौसमी बीमारियाँ पनपती हैं। इसलिए पेयजल स्त्रोतों को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए। इस अवसर पर कैडेटों ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टर, भाषण आदि के माध्यम से लोगो को जागरूक किया।

अभियान में इनकी रही भागीदारी

एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट सुधाकर शाक्य एवं थर्ड ऑफिसर सुश्री मंजुला त्रिपाठी, सी. आई. गौरव सिंह चन्देल, पीओ अंकित पाण्डेय, पीओ सुधीर तोमर एवं पीओ सुश्री देवी दत्ता आदि ने इस अभियान का नेतृत्व कर स्वच्छता के प्रति तिघरा क्षेत्र के निवासियों को जागरूक किया।

मानवता सबसे बड़ा धर्म है, सदभावना की जरूरत घर-घर में है : मुनिश्री

अमावस्या पर मुनिश्री के सानिध्य में जैन त्रिशलगिरी पर बार्षिक जैन मेला लगा

ग्वालियर । मानव जीवन को चलाने के लिए धर्म और धन दोनों की जरूरत पड़ती है। व्यक्ति दिन-रात धन कमाने की सोचता रहता है लेकिन धर्म करने के लिए कुछ ही समय निकाल पाता है। मानवता को सबसे बड़ा धर्म कहा गया है। आज पारिवारिक बिखराव की वजह आपसी सद्भवना का अभाव है। जो घर घर मे व्यक्ति के जीवन में सबसे आवश्यक है। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज रविवार को उरवाई गेट स्थित जैन तीर्थ त्रिशलगिरी जैन बार्षिक मेले पर शांति विधान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि हर व्यक्ति के अंदर भगवान बनने, मोक्ष जाने के गुण मौजूद हैं। ना जाने पिछले कितने जीवन में यह आत्मा जन्म लेकर अमीर गरीब, जीव जंतु, बनती रही है। स्वर्ग-नर्क, निगोद में जाती रही है। जन्म जन्मांतर के भटकाव से मुक्ति का एकमात्र मार्ग मानव जीवन में धर्म के जरिए अर्जित किया जा सकता है। अतः मनुष्य जन्म में धर्म मार्ग के जरिए मुक्ति की राह पकड़ने के इस दुर्लभ अवसर को हाथ से नहीं जाने दे। इसी में हम सब का प्राणी मात्र का कल्याण है। मुनिश्री विनय सागर महाराज 26 सितंबर सोमवार को नई सड़क स्थित संजय किरण पंडवीय सासंद के निवास के पास 09 बजे से प्रवचन व 10 बजे से आहराचार्य संपन्न होगी।

अभिषेक व शांतिधारा कराई

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर जी महाराज के सानिध्य में उरवाई गेट स्थित जैन तीर्थ श्री दिगंबर जैन त्रिशलगिरी अतिशय पर 25 सितम्बर रविवार को अमावस्य पर वार्षिक जैन मेले का आयोजन हुआ। जैन तीर्थ त्रिशलगिरी अतिशय क्षेत्र पर मुनिश्री के सानिध्य में अमावस्य पर मंत्रो से इंद्रा राजेश मुकेश जैन, पिंटू दिनेश जैन भिंड परिवर ने भगवान जिनेंद्र का अभिषेक एवं शांतिधारा की। मुनिश्री के सानिध्य में महिलाओ ओर पुरुषों ने सामूहिक रूप से शांति विधान में पूजन अर्चना कर सगीतकार शुभम जैन सैमी के भजनों पर भक्ति नृत्य करते हुए महा अर्घ्य समर्पित किए। दोपहर में 2 बजे से बार्षिक जैन मेले में आने वाले भक्तों को विशाल भंडार प्रसादी वितरण की गई।

संक्षिप्त समाचार

पुनियानी रामलीला समिति के उपाध्यक्ष नियुक्त

ग्वालियर। पूर्व विधायक एवं श्री रामलीला समारोह समिति के संयोजक रमेश अग्रवाल ने समाजसेवी अनिल पुनियानी एवं महेंद्र भदकारिया को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। पुनीयानी एवं भदकारिया की नियुक्ति पर आरटीआई फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय दीक्षित, शाहिद खान चंदन सिंह राहुल चौहान ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि यह दोनों नियुक्तियां राम लीला के कार्यों में बेहद कुशलता एवं सामाजिक समरसता के साथ कार्य करने में योगदान ही नहीं खरे साबित होंगे।

व्यक्तित्व के निखार के लिए पब्लिक स्पीकिंग फियर को दूर करना आवश्यकः गौरव शर्मा

ग्वालियर । आज के समय में पर्सनेलिटी डवलपमेंट एवं पब्लिक स्पीकिंग फियर को दूर करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हम सब अपने व्यक्तित्व को निखार सके। यह बात श्रीराम कालेज बानमोर में टेक टूपर्ज़ द्वारा आयोजित पर्सनेलिटी डवलपमेंट एवं पब्लिक स्पीकिंग पर सेमिनार में मोटीवेशनल स्पीकर गौरव शर्मा ने कही। इस मौके पर मुख्यातिथि के तौर पर श्री राम कॉलेज चेयरमैन एक्जीक्यूटिव ऑफिसर अविनाश शर्मा उपस्थित थे। सेमिनार के मुख्य वक्ता के रूप में मोटिवेशनल स्पीकर गौरव शर्मा उपस्थित थे। मोटिवेशनल स्पीकर गौरव शर्मा ने छात्र छात्राओं को बताया कि पर्सनालिटी डेवलपमेंट यानी कि व्यक्तित्व विकास ऐसा क्षेत्र है जहां पर बहुत ज्यादा रिसर्च और प्रैक्टिस किया जाता है। स्टडी का एक ऐसा क्षेत्र जो गतिशील है और लगातार इसमें विकास होता रहता है और हर दिन कुछ नयी चीज़ सामने आती रहती है। व्यक्तित्व विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है खुद को समझना, सबके सामने खुलकर बोलना, अपनी बात रखना, और खुद को सही तरीके से पेश करना। यह आसान काम नहीं होता। पब्लिक स्पीकिंग व्यक्तित्व विकास का एक अहम हिस्सा है।पब्लिक स्पीकिंग के दौरान बड़े ग्रुप के सामने अपनी बात रखनी होती है। इंसान एक सामाजिक प्राणी होता है और जीवन के हर पहलू में इंसान की पर्सनैलिटी दूसरों पर प्रभाव छोड़ती है। दूसरों के साथ बिहेव करते समय एक्सेप्टेबल, प्लीजेंट, एसर्टिव और कॉन्फिडेंट पर्सनालिटी पेश करना एक जरूरी स्किल है, जिसे सिखा जा सकता है। गौरव शर्मा ने बहुत ही रोचक ढंग से अलग अलग एक्टिविटीज के माध्यम से पब्लिक स्पीकिंग का तरीका बी.बी.ए., बी.सी.ए, एवं बी.सी.ए(सी.ए.) के विद्यार्थियों को सिखाया।इस सेमिनार के लिए मंच का संचालन अतुल शर्मा द्वारा किया गया।सेमिनार के सफल आयोजन के लिए श्रीराम कालेज और टेक टूपर्ज़ प्रबंधन ने बधाई दी।

ग्वालियर में मप्र दिव्यांग क्रिकेट टीम की चयन ट्रायल 29 सितम्बर को

ग्वालियर । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सपोर्टेड संस्था डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया के संयोजन में आगामी 31 अक्टूबर से 7 नवंबर 2022 तक आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश दिव्यांग क्रिकेट टीम का चयन किया जाना है। जिसके लिए ओपन चयन ट्रायल प्रक्रिया 29 सितंबर 2022 को आयोजित की जाएगी। मप्र फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएसन के सचिव संजय सिंह तोमर ने बताया कि 31 अक्टूबर से 7 नवंबर 2022 तक लखनऊ में आयोजित होने जा रहे 20 राज्यों के दिव्यांग नेशनल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मप्र दिव्यांग क्रिकेट टीम का चयन किया जाना है ,जिसके लिए 29 सितम्बर को ओपन सिलेक्सन ट्रायल आयोजित की जायेगी। इस ट्रायल में पूरे मप्र के दिव्यांग खिलाडी भाग ले सकते हैं। सिलेक्शन ट्रायल 29 सितम्बर को ग्वालियर के कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम के माधवराव सिंधिया क्रिकेट परिसर प्रैक्टिस क्रिकेट ग्राउंड में सुबह 9 से दोपहर 2 तक आयोजित होगी। खिलाड़ियों का चयन ग्वालियर क्रिकेट डिवीजन की चयन समिति द्वारा निष्पक्ष किया जाएगा। चयन के लिए 40त्न शारीरिक दिव्यांगता वाले खिलाडी ही योग्य होंगे। सभी खिलाड़ियों को अपना दिव्यांग प्रमाण पत्र , 3 पासपोर्ट साइज फोटो ,आधार कार्ड ,यूनिक आईडी कार्ड, इन सभी की फोटोकॉपी और ओरिजनल लेकर आना अनिवार्य है और सभी खिलाड़ियों को सफ़ेद लोवर टीशर्ट पहनकर आना अनिवार्य है। कोविड का नियम का पालन करते हुए मास्क और सेनिटाइजर भी साथ लाये। अधिक जानकारी के लिए संस्था के सचिव संजय सिंह तोमर से 930 110 9959 या सह सचिव उमेश बाबू गुप्ता से 94 257 27479 पर संपर्क कर सकते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए हुए मार्ग पर चलकर सेवा करना चाहिए- सत्येन्द्र शर्मा

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के पितृपुरुष भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक विचारक,दार्शनिक श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की आज जन्मजयंती के अवसर पर कोटेश्वर मंडल के वार्ड क्रमांक 1 स्थित रामाजी का पुरा पुलिया स्थित हनुमानजी मंदिर परिसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा, पूर्व पार्षद प्रीतम सिंह नोगैया, वरिष्ठ नेत्री श्रीमती विमला मिश्रा, वार्ड संयोजक बंटी निगम,जावेद हुसैन,प्रदीप धनोलिया, मुन्ना खान, राकेश जाटव, अकबर हुसैन आदि कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी प्रखर राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्ता एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता एवं हमारे पथ प्रदर्शक है हम सभी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का पुण्य स्मरण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर मानव सेवा समाज सेवा के पथ पर अग्रसर रहना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478